▪ कार्तिक कृष्णा - 14 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 98 ▪ पृष्ठ - 4
बेंगलूरु » गुरुवार » 31-10-2024
▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

विदेशों में भी लोकप्रिय है दीपोत्सव

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मोबाइल : 9955818270

दीपावली, जो 'प्रकाश का पर्व' कहलाता है, भारतीय संस्कृति और परंपराओं का एक प्रमुख उत्सव है। यह पर्व न केवल भारत में बल्कि विश्व के उन तमाम हिस्सों में भी उल्लास के साथ मनाया जाता है, जहां भारतीय प्रवासी बसे हैं। दीपावली का अर्थ केवल मिट्टी के दीपक जलाना नहीं है। यह अच्छाई पर बुराई की विजय, अज्ञानता पर ज्ञान की और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। विदेशों में बसे भारतीय समुदायों ने इस पर्व को संजोकर रखा है और इसे अपनी नई पीढ़ियों में संचारित किया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में दीपावली अब केवल भारतीय प्रवासियों तक ही सीमित नहीं रही है। बढ़ते भारतीय समुदाय के कारण दीपावली ने अमेरिका की बहुसांस्कृतिक धरोहर में भी स्थान पाया है। यहाँ यह पर्व सामाजिक मेल-जोल का माध्यम बन गया है। भारतीय समुदाय दीपावली के अवसर पर मंदिरों में पूजा-अर्चना करता है और सामूहिक भजन-कीर्तन का आयोजन होता है। बड़े शहरों जैसे न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, और शिकागो में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम और दीपावली मेलों का आयोजन होता है, जिसमें भारतीय संगीत, नृत्य, कला और व्यंजनों का प्रदर्शन किया जाता है। इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति को वहां के समाज में स्थापित किया जा रहा है, और दीपावली अमेरिकी समाज में पारस्परिकता और बहुसंस्कृतिवाद को बढ़ावा दे रही है।

कनाडा में भी भारतीय समुदाय दीपावली का भव्य आयोजन करता है। यहां भारतीयों का एक बड़ा प्रवासी समूह है, जो इस पर्व को अपने सांस्कृतिक धरोहर के रूप में संजोए हुए है। टोरंटो और वैंकूवर में बड़े स्तर पर दीपावली के कार्यक्रम होते हैं, जहाँ कनाडाई नागरिकों को भी आमंत्रित किया जाता है। मंदिरों में पूजा के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। कनाडा की सरकार और स्थानीय नगरपालिकाएं भी भारतीयों के इस पर्व को मान्यता देते हुए इसमें सम्मिलित होती हैं। इस प्रकार, दीपावली ने कनाडाई समाज में भारतीय संस्कृति की पहचान को मजबूती प्रदान की है और बहुसांस्कृतिक स्वीकार्यता को भी बढ़ावा दिया है।

ब्रिटेन में भारतीयों की एक बड़ी आबादी है और यहाँ दीपावली का विशेष महत्त्व है। ब्रिटिश समाज ने इस पर्व को अपनाते हुए इसे अपनी सांस्कृतिक धरोहर में सम्मिलित कर लिया है। लंदन के प्रसिद्ध ट्राफलगर स्क्वायर में दीपावली का भव्य आयोजन होता है। यहां भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, नृत्य, संगीत, और कला का आयोजन किया जाता है। ब्रिटेन की संसद में भी दीपावली मनाई जाती है, जहां भारतीय सांसद और अन्य अधिकारी मिलकर इस पर्व का सम्मान करते हैं। यह उत्सव ब्रिटिश समाज में भारतीय संस्कृति की गहरी पैठ का प्रतीक है और सांस्कृतिक एकता को प्रबल बनाता है।

सिंगापुर एक बहुसांस्कृतिक समाज है, जहाँ भारतीय, मलेशियाई, चीनी, और अन्य विभिन्न समुदाय मिलजुल कर रहते हैं। दीपावली यहां एक राष्ट्रीय पर्व के समान ही मनाई जाती है। खासकर लिटिल इंडिया नामक क्षेत्र में दीपावली के समय भव्य सजावट होती है और विभिन्न प्रकार के उत्सवों का आयोजन होता है। रंग-बिरंगे प्रकाशों से सजी सड़कों पर भारतीय व्यंजन, संगीत, नृत्य और खरीदारी का आयोजन होता है। सिंगापुर सरकार भी इस पर्व को बढ़ावा देती है और इसके द्वारा देश में विविधता के बीच सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देती है।

मलेशिया में दीपावली को हरी दीपावली के नाम से जाना जाता है। यहां हिंदू-मलेशियाई समुदाय इसे बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाता है। मलेशियाई समाज में दीपावली सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक है। भारतीय समुदाय मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन करता है, और घरों में दीप जलाकर वातावरण को पवित्र बनाया जाता है। यहां दीपावली के दौरान सार्वजनिक अवकाश भी होता है, जिससे अन्य जातीय समूह भी इसमें सम्मिलित होकर भारतीय संस्कृति का अनुभव कर पाते हैं। यह पर्व मलेशिया की बहुजातीय समाज को जोड़ने और सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने का साधन बन गया है।

दक्षिण अफ्रीका में भारतीय समुदाय का इतिहास गहरा और पुराना है। महात्मा गांधी के समय से यहां भारतीय समुदाय बसा हुआ है, और दीपावली उनके लिए सांस्कृतिक धरोहर के रूप में महत्वपूर्ण है। यहां का भारतीय समुदाय दीपावली के दिन अपने घरों और मंदिरों में दीप जलाता है और सामूहिक पूजा का आयोजन करता है। दक्षिण अफ्रीका के कई शहरों में भारतीय व्यंजनों, संगीत, और नृत्य का आयोजन होता है। इस पर्व के माध्यम से भारतीय समुदाय ने अपने सांस्कृतिक मूल्यों को संजो कर रखा है और यह स्थानीय समाज में भारतीय पहचान को और सुदृढ़ करता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में भी भारतीय प्रवासी समुदाय दीपावली का आयोजन करते हैं। मेलबोर्न, सिडनी, ऑकलैंड आदि शहरों में दीपावली के बड़े मेलों का आयोजन किया जाता है। इन मेलों में भारतीय व्यंजन, हस्तशिल्प, नृत्य, और संगीत की प्रस्तुतियाँ दी जाती हैं, जिससे भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार होता है। स्थानीय नागरिक भी इस पर्व में सम्मिलित होते हैं और भारतीय संस्कृति से परिचित होते हैं। यह उत्सव यहां के बहुसांस्कृतिक समाज में भारतीय मूल्यों को स्थान दिलाने में सहायक सिद्ध होता है।

संयुक्त अरब अमीरात, विशेषकर दुबई और अबू धाबी में, दीपावली का पर्व अत्यंत भव्य रूप में मनाया जाता है। यहां भारतीय प्रवासियों की बड़ी संख्या है, जो इस पर्व को पूरे जोश-खरोश से मनाती है। दुबई के मशहूर बुर्ज खलीफा जैसी इमारतें दीपावली के अवसर पर विशेष लाइटिंग और आतिशबाजी से सजी होती हैं। भारतीय समुदाय अपने घरों में पूजा करता है और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इस प्रकार दीपावली ने दुबई में भारतीय संस्कृति की झलक को स्थापित किया है और इस्लामी समाज में भी भारतीय मूल्यों को सम्मान दिलाने में मदद की है।

दीपावली का उत्सव विदेशों में केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक मिलन का साधन बन गया है। भारतीय प्रवासी समुदाय अपने पर्वों को नए समाज में उत्साहपूर्वक मनाते हैं और इसके माध्यम से वे न केवल अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोए रखते हैं, बल्कि वैश्विक समाज में भारतीयता का प्रसार भी करते हैं। दीपावली के माध्यम से भारतीय संस्कृति की स्वीकार्यता और मान्यता में वृद्धि होती है और इसे हर देश के सामाजिक ताने-बाने में एक अद्वितीय स्थान प्राप्त होता है।

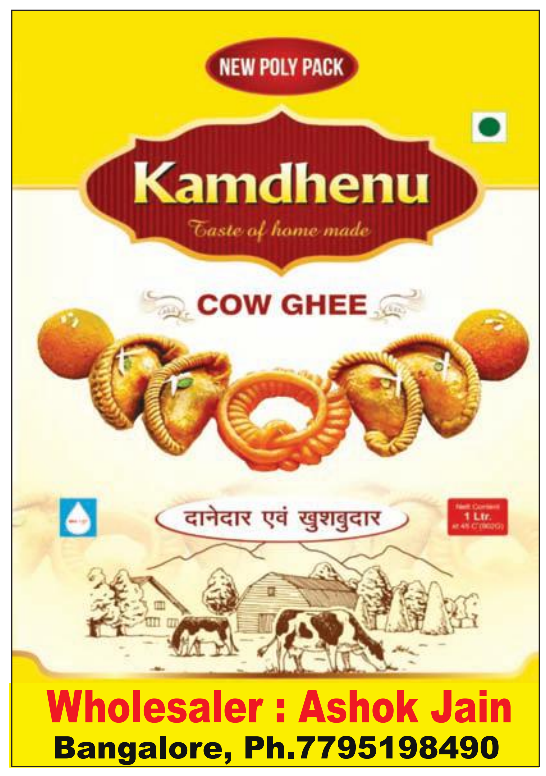

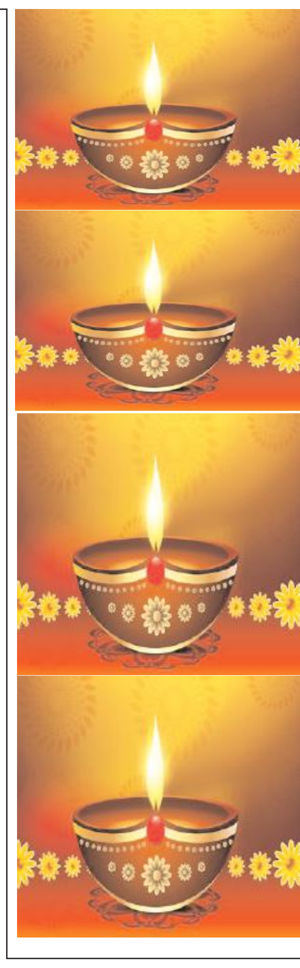

दीपावली का संदेश जितना अध्यात्मिक है, उतना ही भौतिक भी

संदीप सृजन
मोबाइल : 09406649733

दीपावली का पर्व भारतीय सनातन परम्परा का लौकिक और अलौकिक पर्व माना गया है। लौकिक स्वरूप में जहॉ खानपान,वैभव और उत्साह का वातावरण इस पर्व को प्रमाणिकता प्रदान करता है। वहीं अलौकिक रूप में यह पर्व आत्मोकर्ष का प्रमुख पर्व है। लौकिक और अलौकिक के बीच तंत्र साधकों के लिए परालौकिक स्वरूप भी इस पर्व का है। लेकिन जन सामान्य के लिए लौकिक और अलौकिक इन दो रूपों में ही इसकी महत्ता है। सनातन धर्म की वैष्णव परम्परा में भगवान राम का अयोध्या आगमन उत्सव लौकिकता तो श्रमण परम्परा (जैन धर्म) में भगवान महावीर का निर्वाण अलौकिकता का स्वरूप है।

कार्तिक अमावस्या की रात्री में भगवान महावीर स्वामी को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इस दिन महावीर का निर्वाणोत्सव मनाया जाता है। अपनी आयु के 72 वें वर्ष में जब महावीर पावापुरी नगरी के मनोहर उद्यान में चातुर्मास के लिए विराजमान थे। तब चतुर्थकाल पूरा होने में तीन वर्ष और आठ माह बाकी थे। तब कार्तिक अमावस्या के दिन सुबह स्वाति नक्षत्र के दौरान भगवान महावीर अपने औदारिक शरीर से मुक्त होकर मोक्षधाम को प्राप्त हो गए। उस समय इंद्रादि देवों ने आकर भगवान महावीर के शरीर की पूजा की और पूरी पावा नगरी को दीपकों से सजाकर प्रकाशयुक्त कर दिया।

2551 वर्ष भगवान महावीर को निर्वाण हुए हो गये है। उस समय से आज तक यही परंपरा जैन धर्म में चली आ रही है। प्रतिपदा के दिन भोर में महावीर के प्रथम शिष्य गौतम को कैवल्यज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इससे दीपोत्सव का महत्व जैन धर्म में और बढ़ गया।

भगवान महावीर अरिंहत है, और अरिहंत को संसार में गुरु के रूप में माना जाता है। भगवान महावीर के सिद्द गमन को तब विद्वजनों ने ज्ञान दीप का राज होना (बुझना) माना और मिट्टी के दीप प्रज्ज्वलित कर संसार को आलोकित करने का प्रयास किया था। भगवान महावीर ने दीपावली वाले दिन मोक्ष जाने से पहले आधी रात तक जगत के कल्याण के लिए आखिरी बार उपदेश दिया था, जिसे 'उत्तराध्यान सूत्र' के नाम से जाना जाता है। इस ग्रंथ में सर्वाधिक बार कोई वाक्य आया है तो वह है समयं गोयम ! मा पमायए' गौतमस्वामी को जो कि भगवान महावीर के प्रधान शिष्य थे, प्रधान गणधर थे, उनको संबोधित करते हुए यह प्रेरणा महावीर ने दी कि आत्मकल्याण के मार्ग में चलते हुए क्षण भर के लिए भी तू प्रमाद मत कर। ढाई हजार वर्ष पहले दी गई वह प्रेरणा कितनी महत्त्वपूर्ण है।

प्रमाद अज्ञानता की ओर ले जाता है।ज्ञान जीवन में प्रकाश करने वाला होता है। शास्त्र में भी कहा गया- 'नाणं पयासयरं' अर्थात ज्ञान प्रकाशकर है। इसीलिए ज्ञान को प्रकाश और अज्ञान को अंधकार की उपमा दी जाती है । दीपक हमारे जीवन में प्रकाश के अलावा जीवन जीने की सीख भी देता है, दीपक हमारे जीवन की दिशा को उर्ध्वगामी करता है, संस्कारों की सीख देता है, संकल्प की प्रेरणा देता है और लक्ष्य तक पहुंचने का माध्यम बनता है। दीपावली मनाने की सार्थकता तभी है, जब हमारे अंदर का अंधकार दूर हो।

अंधकार जीवन की समस्या है और प्रकाश उसका समाधान। जीवन जीने के लिए सहज प्रकाश चाहिए। प्रारंभ से ही मनुष्य की खोज प्रकाश को पाने की रही। उपनिषदों में भी कहा गया है- असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मामृतं गमय।। अर्थात-मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो। मुझे अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो। मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।। इस प्रकार हम प्रकाश के प्रति, सदाचार के प्रति, अमरत्व के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हुए आदर्श जीवन जीने का संकल्प करते हैं। आज के समय में चारों ओर फैले अंधेरे ने मानव-मन को इतना कलुषित किया है कि वहां किसी दिव्यता, सुंदरता और सौम्यता के अस्तित्व की कोई गुंजाइश नहीं बचती। परंतु अंधकार को चीरकर स्वर्ण-आभा फैलाती प्रकाश की प्राणशक्ति और उजाले को फैलाते दीपक की जिजीविषा अद्भूत है।

दीपावली का संदेश जितना अध्यात्मिक है उतना ही भौतिक भी है। राम, महावीर, दयानंद सरस्वती, नानकदेव आदी कई महापुरुषों के जीवन की विशिष्ट घटनाएँ इस पर को अलौकिक बनाती है।

और सभी के ज्ञान का सम्मान दीपक के रूप में किया जाना सभी के आदर्षों को स्वीकार कर जीवन को उत्साह पूर्वक जीना इस पर्व को भौतिक रूप से समृद्ध करता है।

भगवान महावीर अरिहत है, और अरिहंत को संसार में गुरु के रूप में माना जाता है। भगवान महावीर के सिद्द गमन को तब विद्वजनों ने ज्ञान दीप का राज होना (बुझना) माना और मिट्टी के दीप प्रज्ज्वलित कर संसार को आलोकित करने का प्रयास किया था। भगवान महावीर ने दीपावली वाले दिन मोक्ष जाने से पहले आधी रात तक जगत के कल्याण के लिए आखिरी बार उपदेश दिया था, जिसे 'उत्तराध्यान सूत्र' के नाम से जाना जाता है।

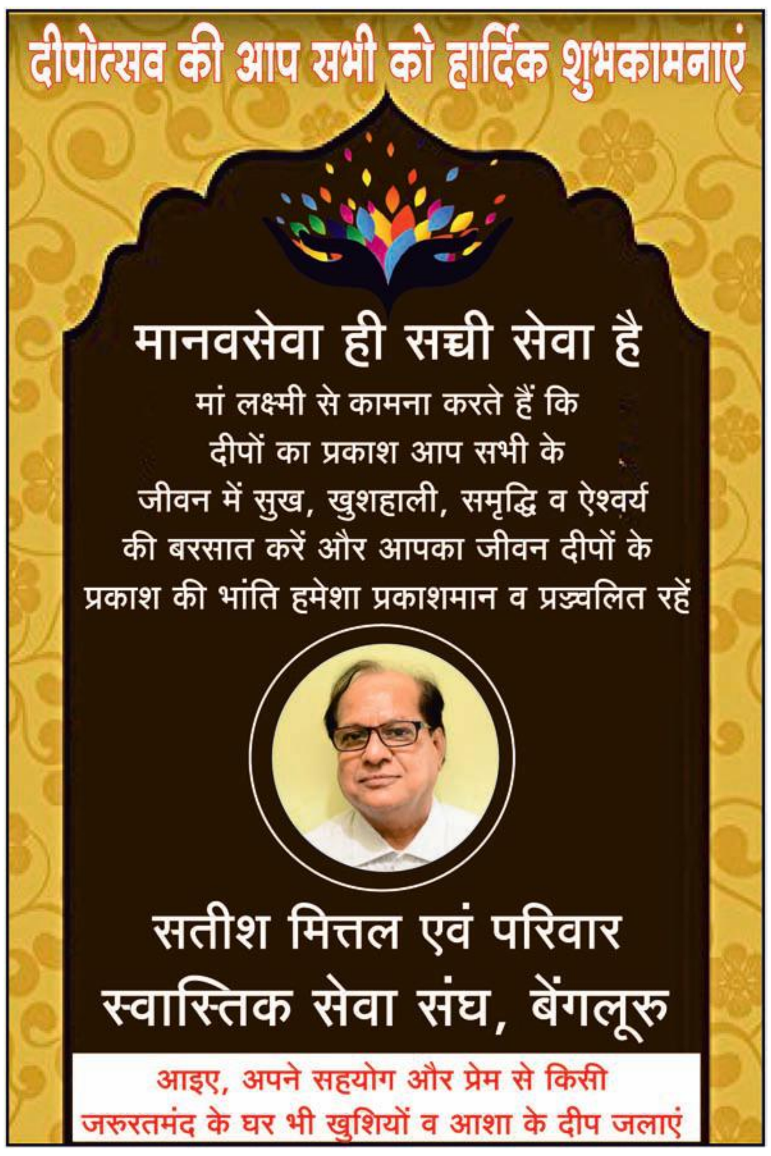

TESSITURA MONTI
INDIA
Happy Diwali
Tessitura Monti India Pvt.Ltd.
BORN
IN
ITALY
1911
TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.
Factory & Registered Office :
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer,
Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra.
INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in
Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027,
INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in Website : www.monti.co.in

कार्तिक कृष्णा - 14 | संवत 2081 | वर्ष - 20 | अंक - 98 | पृष्ठ - 4 | बेंगलूरु » गुरुवार » 31-10-2024 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

दिवाली पर भाईचारे की भावना कायम रखें

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

देश में हिन्दू त्योहारों को दो दिनों मनाने की परंपरा सी हो गई है। दीपावली की तारीख को लेकर देशभर में विद्वानों और ज्योतिषियों में मत भिन्नता को देखते हुए इस बार दीपावली का पर्व दो दिन मनाया जायेगा। इस साल दीपोत्सव 5 नहीं 6 दिन का होगा। हालाँकि अधिकांश लोग 31 अक्टूबर को दिवाली मनाने के पक्षधर है। मगर उन लोगों की भी कमी नहीं है जो एक नवम्बर को दिवाली मनाने को शुभ मानते है। बहरहाल इस बार लोग दो दिनों तक दिवाली से सराबोर होंगे और पंच पर्वों का त्योहार छह दिनों तक मनेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्तिक अमावस्या 31 अक्टूबर और एक नवंबर को दो दिन रहेगी। मंगलवार, 29 अक्टूबर को धनतेरस के साथ दीपोत्सव शुरू हो गया है। इस भांति 30 अक्टूबर को छोटी दिवाली, 31 अक्टूबर और एक नवंबर को दोनों दिन दीपावली, 2 को गोवर्धन पूजा और 3 को भाई दूज मनेगी। परंपरा के मुताबिक दिवाली पर दीपक सजाए जाते हैं और लक्ष्मी, गणेश, कुबेर आदि की पूजा की जाती है। बुराई पर अच्छाई, अंधकार पर प्रकाश तथा अज्ञान पर ज्ञान की विजय का त्योहार हैं दीपावली। त्योहार देश की सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और राष्ट्रीय एकता के जीवन्त प्रतीक होते हैं। इसमें देश के इतिहास का समावेश होता है। त्योहार बिना जाति, धर्म ओर भेदभाव के सभी लोग मिलजुल कर मनाते हैं और एक दूसरे के सुख दुख में भागीदारी देते हैं। एक दूसरे से मिलन का यह सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। त्योहार आपसी कटुता, शत्रुता और बैर भाव को दूर भगाते हैं। दीपावली भी एक ऐसा ही त्योहर है जो हमें समता, समानता और भाईचारे का सन्देश देता है। त्योहार जीवन को प्रेम, बन्धुत्व और शुद्धता से जीने की सीख देता है। मन और चित को शांति प्रदान करता है और हमारे अन्दर की बुराइयों को अन्तर्मन से बाहर निकाल कर अच्छाइयों को ग्रहण करने की ताकत प्रदान करता है। चौदह साल का बनवास काटकर भगवान राम जब अयोध्या लौटे तब वहाँ के निवासियों ने दीप प्रज्वलित कर उनका स्वागत किया।

भारत में सभी धर्मों और वर्गों के लोग यह त्योहार मिलजुल कर मानते है। दीपावली का शाब्दिक अर्थ है ''दीपों की पंक्ति'' या दीपों की माला''। यह पर्व सामाजिक सांस्कृतिक धार्मिक व्यापारिक और ऐतिहासिक महत्व का है। दीपावली को पंच पर्वों का त्योहार कहा जाता है जो धनतेरस से शुरू होकर भाई दूज पर समाप्त होते हैं। पंच पर्वों के अन्तर्गत धनतेरस, नरक चतुर्थी, दीपावली, राम-श्याम और भैयादूज सम्मिलित हैं।

दीपावली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। इसी दिन समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी ने अवतार लिया था। मां लक्ष्मी को धन और वैभव की देवी माना जाता है। इसी वजह से दिवाली वाले दिन हम लोग लक्ष्मी जी की पूजा करते हैं और वरदान में खूब सारा धन और वैभव मांगते हैं। लक्ष्मी के समुद्र मंथन में निकलने से दो दिन पहले सोने का कलश लेकर भगवान धनवंतरी भी अवतरित हुए थे, इसी वजह से दिवाली के पहले धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

दीपावली के साथ कई ऐतिहासिक और धार्मिक घटनाएँ जुड़ी हुई हैं। यह दिन केवल भगवान राम के अयोध्या वापसी का पावन दिन नहीं है अपितु इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने राक्षस राज नरकासुर का वध किया था। इसी दिन भगवान विष्णु ने नरसिंह का अवतार लेकर हिरणकश्यप को मारा था। इसी दिन समुद्र मंथन के बाद लक्ष्मी व धन्वन्तरि प्रकट हुए थे। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी इसी दिन है। सिक्खों के लिए भी दीपावली के त्यौहार का बहुत महत्त्व है। इसी दिन अमृतसर में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ। इसके अलावा 1619 में दीपावली के दिन सिक्खों के छठे गुरू हर गोविन्द सिंह को जेल से रिहा किया गया। नेपालियों के लिए भी दीपावली का दिन बहुत महत्व का है। इस दिन नेपाल में नया वर्ष शुरू होता है। पंजाब में स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन हुआ। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद ने दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया था। इस दिन लक्ष्मी पूजन का विशेष प्रावधान है। दीपावली सच्चे अर्थों में चौतरफा हर्षोल्लास का दिन है। बुराई पर अच्छाई का प्रतीक यह पर्व अब रश्मि बनता जा रहा है। अच्छी बातें अब केवल वेद वाक्यों, ग्रन्थों, महापुरूषों के आदर्शों और नेताओं के भाषण तक सीमित होकर रह गई है। भारत ऋषि मुनियों, संतों और महापुरूषों की जन्मस्थली है जिन्होंने सदा सर्वदा सद्मार्ग पर चलने की सीख और प्रेरणा देशवासियों को दी। हम धीरे-धीरे इन आदर्शों को आत्मसात करने की बजाय बैर-भाव और शत्रुता को बढ़ावा देने में लगे हुए हैं। देश में इस समय जो वातावरण बना हुआ है, उससे बन्धुत्व, प्रेम और समता के स्थान पर अविश्वास, घृणा और बुराई को अधिक बल मिल रहा है।

सामाजिक एकता का संदेशवाहक पर्व है दिवाली

डॉ. वंदना सेन
मोबाइल : 8103430932

भारत के त्यौहारों की विशेषता यह है कि यह सामाजिक एकता के अनुपम आदर्श हैं। इसी भाव के साथ प्राचीन काल से यह पर्व हम सभी मनाते चले आ रहे हैं। वर्तमान में पर्वों का यह शाश्वत भाव आज भी प्रचलन में है। दीपावली के त्यौहार पर भी ऐसा ही स्वरुप दिखाई देता है। भारतीय आवागमन के साधनों में त्यौहारों पर बढ़ती भीड़ इसका साक्षात्कार भी करा रही है। वास्तव में भारतीय त्यौहार आज भी परिवार और समाज के एकत्रीकरण का ही त्यौहार है। दूर रहने वाले लोग भी त्यौहार के अवसर पर अपने घर जाकर ही त्यौहार मनाते हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि आधुनिक वातावरण में भी दीपावली पर्व अपनी परंपराओं को जीवंत बनाए हुए है। देश की कई संस्थाओं द्वारा किए जाने वाले मिलन कार्यक्रम भी दीपावली को सार्थकता प्रदान कर रहे हैं। दीपावली का पावन पर्व पूरे देश में एक ही दिन मनाया जाता है, जो देश की सांस्कृतिक का दर्शन कराता है। यही विविधता में एकता का आदर्श है।

दिवाली जहां अपनों को समीप लाती है, वहीं जो लोग समयाभाव के कारण नहीं मिल पाते हैं, उनको भी मिला देती है। हम जानते हैं कि दिवाली पर कहीं दिवाली मिलन के कार्यक्रम होते हैं, जो सामाजिक एकता को बढ़ावा देने का ही काम करते हैं।

भारत में दिवाली का अलग ही महत्व है। वैसे तो भारत का प्रत्येक पर्व प्रकृति और संस्कृति से गहरा सामंजस्य रखते हैं, लेकिन वर्तमान में इन त्यौहारों पर हम अपनी शाश्वत परंपराओं को लगभग भुलाने की मुद्रा की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। वास्तव में प्राकृतिक वातावरण से तालमेल स्थापित करने के लिए ही भारतीय त्यौहार मनाए जाते हैं। इन त्यौहारों में संस्कृति को संरक्षित और संवर्धित करने का संदेश समाहित है। हम कहते हैं कि संस्कृति और प्रकृति के विरुद्ध किया जाने वाला प्रत्येक कदम अपने स्वयं के लिए विनाशकारी होता है। इसलिए सांस्कृतिक पक्ष को मजबूत करने वाले इन त्यौहारों की मानवीय जीवन में भी खास अहमियत है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे पूर्वजों ने भी यह माना है कि प्रकृति पूज्य है, जीवन दायिनी है। हमारी प्रकृति ही हमारी संस्कृति है। इसलिए हमारे सांस्कृतिक त्यौहार भी प्रकृति प्रदत्त हैं। जो प्रकृति प्रदत्त है उसकी सुरक्षा करना हमार नैतिक दायित्व है, क्योंकि प्रकृति हमारे संपूर्ण जीवन को हमेशा ही देती है। इसलिए हमारा दायित्व भी बढ़ जाता है। वर्तमान में हमारा प्राकृतिक स्वभाव समाप्त होता जा रहा है यानी हम लेने की प्रवृत्ति की ओर अग्रसर होते जा रहे हैं।

वर्तमान में प्राय: एक बात सबके मुख से सुनी जाती है कि हमारे त्यौहार पहले जैसे नहीं रहे। क्या हमने कभी इस बात पर चिंतन किया है कि ऐसी अवस्था क्यों आई। इसका मूल कारण क्या है। इसके लिए हम ही दोषी हैं। सामाजिक एकत्रीकरण के लिए मनाए जाने वाले त्यौहारों को हमने ही दीवालों में कैद कर लिया है। हम क्यों नहीं त्यौहारों को समाज का हिस्सा बनाते हैं? वास्तविकता यह है कि आज हम अकेले में ही त्यौहारों का आनंद लेने का निरर्थक प्रयास करते दिखाई देते हैं। लेकिन अकेले में त्यौहार का आनंद वैसा कभी नहीं मिल सकता, जो पहले था। इसलिए हमें अपने त्यौहारों को सामाजिकता की ओर ले जाने की ओर अग्रसर होना पड़ेगा, तभी त्यौहारों की सार्थता है और तभी दीवाली की सार्थकता है।

भारतीय संस्कृति में त्यौहारों का अलग ही महत्व है। वर्ष भर होने वाले छोटे बड़े त्यौहार हमारे समाज को धर्म और संस्कृति से जोड़े रखते हैं। इन्हीं त्यौहारों में से ही एक त्यौहार है दीपावली। दीपावली का त्यौहार जिसे हम प्रकाश का त्यौहार कहते हैं। आज क्या यह प्रकाश का त्यौहार रह गया है। हम सभी बाहर तो प्रकाया की व्यवस्था कर देते हैं, लेकिन हमने अपने हृदय में कितना प्रकाश किया है। हम आंतरिक रुप से आज भी अंधेरे का हिस्सा हैं। आज के दौर में जिस प्रकार से सामाजिक विषताएं पनप रही हैं, वह इसी अंधकार रुपी जीवन का हिस्सा हैं। दीवाली पर्व बाह्य जगत को प्रकाशित करने के साथ आंतरिक रुप से प्रकाशित होने की भी प्रेरणा भी देता है। यह प्रेरणा ही हमारे जीवन का पथ आलोकित करती है। हम केवल शब्दों के द्वारा शुभकामनाएं देकर एक दूसरे का पथ आलोकित करने की बात तक ही सीमित होते जा रहे हैं। जिनके मन में ज्ञान का दीपक नहीं जला, उसे शुभकामनाएं देने का कोई अधिकार नहीं है।

वास्तव में दीपावली का त्यौहार प्रकाश का त्यौहार होने के साथ साथ हमें हमारे अपनों को हमारे करीब आने का त्यौहार भी है। क्योंकि हमारे अपने दूर होने के बाद भी इस त्यौहार पर अपने घर आते हैं, जिससे कहा जाता है कि यह ऐसा त्यौहार है, जो अपनों की दूरी को समाप्त करता है। दीपावली के त्यौहार से जुड़ी एक किदवंती है कि अयोध्या के राजा भगवान श्रीराम जब लंका पर विजय करके लौटे थे, तब अयोध्या में उनके स्वागत में चारों ओर दीप प्रज्वलित कर आनंद का उत्सव मनाया गया था, उसी आनंद और उत्साह का प्रदर्शन करते हुए हमारे देश में दीपावली का त्यौहार मनाया जाता है, लेकिन वर्तमान में आधुनिकता के दौर में कार्यों के चलते लोग एक दूसरे से दूर रहने या दूसरे शहरों में रहने के लिए मजबूर होते हैं, लेकिन जब दीवाली का त्यौहार आता है तो वह व्यक्ति चाहे कितनी भी दूर क्यों न हो अपनों के निकट आने का हर संभव प्रयास करता है। तो यहां हम कह सकते हैं कि दीवाली एक ऐसी डोर है जो हमें हमारे अपनों से जोड? का काम करती है।

दिवाली जहां अपनों को समीप लाती है, वहीं जो लोग समयाभाव के कारण नहीं मिल पाते हैं, उनको भी मिला देती है। हम जानते हैं कि दिवाली पर कहीं कहीं दिवाली मिलन के कार्यक्रम होते हैं, जो सामाजिक एकता को बढ़ावा देने का ही काम करते हैं। इसके अलावा दिवाली के पर्व पर एक दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएं प्रदान कर दिवाली मिलन जैसा ही कार्यक्रम बन जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि दिवाली मात्र पटाखे छोड? का त्यौहार नहीं है, सभी को करीब लाने का भी त्यौहार है।

अब बात की जाए स्वास्थ्य की तो वर्षभर या किसी अन्य त्यौहार पर लोग अपने घरों की सफाई करें या न करें, लेकिन दीवाली के आने से पहले अपने घरों की साफ सफाई जरूर करते हैं। लिपाई-पुताई करते हैं और अपने घर को सजाने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग भी करते हैं। इसके कारण घरों पर नई आभा बिखर जाती है, पूरा घर नया सा दिखने लगता है। दीपाली के दौरान होने वाली साफ-सफाई घर में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

यही सकारात्मकता व्यक्ति के जीवन में तमाम खुशियों का संचार करती है। यह सच है कि पूरे घर की सफाई कभी नहीं होती, लेकिन दिवाली एक ऐसा त्यौहार है, जब पूरे घर के कौने कौने की सफाई हो जाती है। कुल मिलाकर दीवाली स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए बनाई जाती है रंगोली

दीपों के पर्व दीपावली के अवसर पर मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिये रंगोली बनाने की परंपरा रही है। दीपावली के अवसर पर घरों को अलग-अलग तरह से सजाया जाता है। कुछ लोग पूरे घर को दीयों से रौशन करते हैं तो कुछ इलेक्ट्रिक लाइटों से लेकिन जब तक घर को रंगोली से नहीं सजाया जाए कुछ अधूरा सा लगता है।माना जाता है कि बिना रंगों के हर खुशी अधूरी है, इसी वजह से देश में लगभग हर बड़े त्योहार पर रंगोली बनाने की परंपरा है। दीवाली पर लोग रंगोली को जरूर बनाते हैं क्योंकि ऐसा माना जाता है कि मां लक्ष्मी रंगोली से खुश होती हैं। कहा जाता है कि मां लक्ष्मी अपने कुमकुम लगे पैरों से वहीं प्रवेश करती हैं, जहां साफ-सफाई और रचनात्मकता होती है और रंगोली उसी रचनात्मकता का प्रमाण है। कहा यह भी जाता है कि दीवाली के दिन रावण का वध करने के बाद जब श्रीराम अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों का वनवास काटकर अयोध्या वापस लौटे थे, तब अयोध्यावासियों ने उनका पूरे हर्षोल्लास से स्वागत किया था। लोगों ने अपने घरों की साफ-सफाई करके उन्हें स्वच्छ बनाकर रंगों तथा फूलों की मदद से रंगोली सजाई थी और घर को दीपक से सजाया था, इसलिए तब से ही दीपावली पर रंगोली और दीए जलाने का नियम बन गया है।

रंगोली को आलपोना, कोलम या आरीपोमा भी कहते हैं। रंगोली के डिजाइन एक पीढ़ी दूसरे पीढ़ी को सिखाती है। रंगोली के डिजायन और रंग प्रान्त, परंपरा और लोगों की संस्कृति के अनुसार बदल जाते हैं। रंगोली दो शब्दों रंग और अवली से बना है। इसका अर्थ है रंगों की रेखा। रंगोली रंगे चावल के पाउडर और फूलों की पंखुड़ियों से बनाये जाते हैं।दीवाली की रंगोली बनाने के लिए रंगीन चावल का पाउडर, फूलों की पंखुड़ी, हल्दी पाउडर और सिंदूर का प्रयोग होता है। रंगोली के डिजाइन में हिंदू देवी-देवताओं की आकृति, ज्यामितीय आकृतियां, रेखाएं, डॉट डिजायन, गोल फ्लोरल डिजायन और पिकॉक शामिल किये जाते हैं। गोली डिजाइन बनाने की परंपरा बहुत पुराने समय से है। इसका मुख्य उद्देश्य सजावट तो होता ही है साथ ही इससे घर में सौभाग्य आता है और घर आने वाले मेहमान भी सजावट देखकर प्रसन्न होते हैं। घर की महिलाएं रंगोली बनाने का काम करती हैं। दीपावली के दिन तो उनका उत्साह देखने लायक होता है। विवाह हो, त्योहार हो या फिर कोई भी शुभ मुहूर्त हो रंगोली हर घर में बनाई जाती है। दीवाली पर हर घर में रंगोली बनाई जाती है।आज के समय में रंगोली बनाना बहुत आसान हो गया है। शुभ मौके पर घर के द्वार पर रंगोली सजाना भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और हमें हमारे वास्तविक रीति रिवाजों से बांधे रखती है। प्रायः प्रत्येक घर के सामने दीवाली के दिन रंग-बिरंगी रंगोली देखने को मिलती है। रंगोली घर की सुंदरता को बढ़ाती है। आदि काल से चली आ रही इस परंपरा का अस्तित्व आज भी कायम है। पहले विभिन्न रंगों से घर-आंगन में रंगोली सजाई जाती थी, लेकिन वर्तमान में आधुनिक चकाचौंध में परम्परागत रंगोली की कद्र घटती जा रही है। लोग आजकल रेडिमेड रंगोली लाकर घरों को सजा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के कई घरों में आज भी यह परंपरा कायम है तथा दीवाली पर घरों में अलग-अलग प्रकार की रंगोली बनाकर पूजा की जाती है। बाजार में आजकल तो रेडिमेड विभिन्न प्रकार की रंगोली आसानी मिल जाती है। यह सामान्य से थोड़ी अलग दिखने वाली डिजाइन है। जिसमें आठ कोण होते है। इसमें सफेद रंग का प्रयोग बहुत ही खूबसूरती से किया गया है, जो रंगोली के डिजाइन को उभारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बीच में हरे रंग के अलावा विभिन्न रंगों का इस्तेमाल किया गया है।

पहले के समय में जहां खुद ही चावल या बुरादा रंगना पड़ता था वहीं आज सब कुछ रेडिमेड मिल जाता है। हमें सिर्फ अपनी पसंद के रंग चुनने हैं। जिन लोगों को अब तक ये शिकायत हुआ करती थी कि उन्हें रंगोली नहीं बनानी आती, उनके लिए भी बाजार में स्टेंसिल मौजूद हैं। अलग-अलग डिजाइन में उपलब्ध स्टेंसिल में सिर्फ रंग भरकर आप एक खूबसूरत रंगोली बना सकते हैं। रंगोली डिजाइन बनाने की परंपरा बहुत पुराने समय से है। इसका मुख्य उद्देश्य सजावट तो होता ही है साथ ही इससे घर में सौभाग्य आता है और घर आने वाले मेहमान भी सजावट देखकर प्रसन्न होते हैं। घर की महिलाएं रंगोली बनाने का काम करती हैं। दीपावली के दिन तो उनका उत्साह देखने लायक होता है। विवाह हो, त्योहार हो या फिर कोई भी शुभ मुहूर्त हो रंगोली हर घर में बनाई जाती है। दीवाली पर हर घर में रंगोली बनाई जाती है।आज के समय में रंगोली बनाना बहुत आसान हो गया है।

शुभ मौके पर घर के द्वार पर रंगोली सजाना भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और हमें हमारे वास्तविक रीति रिवाजों से बांधे रखती है। प्रायः प्रत्येक घर के सामने दीवाली के दिन रंग-बिरंगी रंगोली देखने को मिलती है। रंगोली घर की सुंदरता को बढ़ाती है।

दीपावली का सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक महत्व

डॉ. सौरभ मालवीय

दीपावली अंधकार पर प्रकाश की जीत का पर्व है। दीपावली का अर्थ है- दीपों की पंक्तियां। दीपावली शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के दो शब्दों 'दीप' एवं 'आवली' से हुई है। यह त्यौहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। दीपावली एक दिवसीय त्यौहार नहीं है। इसमें कई त्यौहार सम्मिलित हैं, जो एक-दूसरे से संबद्ध हैं जैसे धन त्रयोदशी अर्थात धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज। इसीलिए इसे दीपावली महोत्सव अर्थात दीपोत्सव भी कहा जाता है। यह महोत्सव भारत सहित विश्व के हिंदू बहुल क्षेत्रों में कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी से शुक्ल पक्ष की दूज तक हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन धातु की वस्तु क्रय करना अति शुभ माना जाता है। इस दिन तुलसी या गृह के द्वार पर दीप प्रज्ज्वलित किया जाता है। नरक चतुर्दशी के दिन यम की पूजा के लिए दीप प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। दीपावली के दिन देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से गृह धन-धान्य एवं समृद्धि से भरा रहता है। गोवर्धन पूजा के दिन लोग गाय एवं बैलों को सजाते हैं तथा गोबर का पर्वत बनाकर उसकी पूजा-अर्चना करते हैं। इसीलिए इसे गोवर्धन पूजा कहा जाता है। भैया दूज पर बहन अपने भ्राता के माथे पर तिलक लगाकर उसके लिए मंगलकामना करती है। इस दिन यमुना नदी में स्नान करने की परंपरा भी प्राचीन काल से चली आ रही है। माना जाता है कि ऐसा करने से सभी पापों का नाश होता है तथा पुण्य की प्राप्ति होती है। दीपावली का संबंध मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम से भी है। रामायण के अनुसार दीपावली के दिन श्रीरामचंद्र 14 वर्ष के वनवास के पश्चात अपने राज्य अयोध्या लौटे थे। उन्होंने लंका नरेश रावण का वध करके अपनी पत्नी सीता को स्वतंत्र करवाया था। उनके परिवारजनों एवं प्रजा के लिए यह दोहरी प्रसन्नता का विषय था। इसलिए उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीप प्रज्ज्वलित करके अपनी प्रसन्नता एवं श्रद्धा व्यक्त की थी। तभी से दीपावली का त्यौहार मनाया जा रहा है। महाभारत के अनुसार दीपावली के दिन ही बारह वर्षों के वनवास एवं एक वर्ष के अज्ञातवास के पश्चात पांडव हस्तिनापुर वापस आए थे। यह भी मान्यता है कि दीपावली का त्यौहार भगवान विष्णु की पत्नी देवी लक्ष्मी से संबंधित है। दीपावली का पांच दिवसीय महोत्सव देवताओं एवं राक्षसों द्वारा समुद्र मंथन से पैदा हुई लक्ष्मी के जन्म दिवस से प्रारंभ होता है। समुद्र मंथन से प्राप्त चौदह रत्नों में देवी लक्ष्मी भी एक थीं। इनका प्रादुर्भाव कार्तिक मास की अमावस्या को हुआ था। उस दिन से कार्तिक की अमावस्या देवी लक्ष्मी के पूजन का त्यौहार बन गई। इसीलिए दीपावली पर देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। दीपावली की रात्रि को देवी लक्ष्मी ने अपने पति के रूप में भगवान विष्णु का वरण किया था। मान्यता है कि इस दिन देवी लक्ष्मी प्रसन्न रहती हैं। जो लोग इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करते हैं, उन पर देवी की विशेष कृपा होती है। इस दिन लोग लक्ष्मी के साथ-साथ शिव-पार्वती पुत्र गणेश, विद्या की देवी सरस्वती एवं धन के देवता कुबेर की भी पूजा-अर्चना करते हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से धन में वृद्धि होगी तथा उसका सदुपयोग होगा। यह भी मान्यता है कि दीपावली के दिन भगवान विष्णु अपने बैकुंठ धाम में वापस आए थे तथा बैकुंठ में हर्षोल्लास छा गया था।

UPTO ₹ 25,000/- INSTANT CASH BACK ON CREDIT & DEBIT CARD EMI

ADISHWAR® ELECTRO WORLD

gadget for every budget!

GET UPTO ₹ 10,000/- UPI MONEY BACK ON BAJAJ FINSERV PURCHASE
PAY | BANK TRANSFER

1 EMI FREE ON LG SONY Haier Panasonic UPTO ₹ 25,000/-

EMI CARD EASY FINANCE
• Pre-approved Loan up to 4 Lakhs
• Repay easily • No documentation
• Pre-approved offers
• Nil foreclosure charges

LOWEST DOWNPAYMENT
LOWEST EMI

Anything on EMI
Club Multiple Small Products and take them home on EMI only

HOTTEST DEALS

iPhone BUY NOW
SMART WATCH ON 16 SERIES WORTH ₹6,999 FREE
Apple ADAPTER ON 13, 14 & 15 SERIES WORTH ₹1,900 FREE

SAMSUNG BUY NOW
POWER BANK 10000MAH WORTH ₹1,899 FREE

oppo BUY NOW
SOUND BAR WORTH ₹3,999 FREE

mi BUY NOW
POWER BANK WORTH ₹1,699 FREE

vivo BUY NOW
TWS WORTH ₹2,999 FREE

realme BUY NOW
WIRELESS BLUETOOTH WORTH ₹1,499 FREE

ONEPLUS BUY NOW
Honey port UNIQ Neck Band WORTH ₹2,199 FREE

SONY LG Haier BPL SAMSUNG Panasonic

65 UHD/4K Google TV
FESTIVAL PRICE | ₹ 54,490/-
PRICE AFTER CC CASHBACK ONWARDS

55 UHD/4K SOUND BY ONKYO
FESTIVAL PRICE | ₹ 34,990/-
PRICE AFTER CC CASHBACK ONWARDS

50 UHD/4K Google TV
FESTIVAL PRICE | ₹ 36,990/-
ONWARDS

43 QLED TV SOUND BY ONKYO
FESTIVAL PRICE | ₹ 32,990/-
ONWARDS

43 UHD/4K POWERED BY HARMAN AudioEFX
FESTIVAL PRICE | ₹ 26,990/-
ONWARDS

32 QLED TV SOUND BY ONKYO
FESTIVAL PRICE | ₹ 15,990/-
ONWARDS

Diwali SALE

ShopFor ₹ 3,000/- & above get LUCKY DRAW COUPON

AND CHANCE TO WIN 7.10 CRORE WORTH PRIZES

BUMPER PRIZE
2 BHK FLAT
Worth ₹ 35 Lakhs
1 WINNER

1st PRIZE 10 CARS MARUTHI ESPRESSO CAR Worth ₹ 4.26 Lakhs 10 WINNERS

2nd PRIZE 100 BIKES HERO BIKE Worth ₹ 70,000/- 100 WINNERS

3rd PRIZE 1000 LED TV'S 40" HD LED TV Worth ₹ 25,500/- 1000 WINNERS

4th PRIZE 10000 3 PIECE NONSTICK KITCHEN SETS Worth ₹ 2,990/- 10000 WINNER

HOTTEST DEALS

LG SIDE BY SIDE REFRIGERATORS 650 Ltr.
GET INSTANT CASH BACK UPTO ₹ 8,000/- ON CC & DC
LOWEST EMI | ₹ 3,990/-

LG FRONT LOAD WASHING MACHINE 10 Kg.
UPTO ₹ 10,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
LOWEST EMI | ₹ 1,990/-

Haier SIDE BY SIDE REFRIGERATORS 602 Ltr.
GET INSTANT CASH BACK UPTO ₹ 8,000/- ON CC & DC
LOWEST EMI | ₹ 2,994/-

IFB FRONT LOAD WASHING MACHINE 8 Kg.
UPTO ₹ 2,500/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
LOWEST EMI | ₹ 1,990/-

LG | Haier | Whirlpool | Godrej | SAMSUNG | Panasonic
PREMIUM FROST FREE REFRIGERATOR
GET INSTANT CASH BACK UPTO ₹ 8,000/- ON CC & DC
LOWEST EMI | ₹ 2,994/- ONWARDS

Haier FRONT LOAD WASHING MACHINE 10.5 Kg.
UPTO ₹ 7,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
LOWEST EMI | ₹ 1,994/-

LG | Haier | Whirlpool | Godrej SAMSUNG | Panasonic
FROST FREE REFRIGERATORS
GET INSTANT CASH BACK UPTO ₹ 2,500/- ON CC & DC
LOWEST EMI | ₹ 1,999/- ONWARDS

LG | Haier | Whirlpool | Godrej | BPL | IFB
TOP LOAD WASHING MACHINE
UPTO ₹ 7,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
LOWEST EMI | ₹ 999/- ONWARDS

LG | Haier | Whirlpool | Godrej SAMSUNG | BPL
DIRECT COOL REFRIGERATORS
GET INSTANT CASH BACK UPTO ₹ 1,000/- ON CC & DC
LOWEST EMI | ₹ 999/- ONWARDS

LG DISH WASHER
UPTO ₹ 3,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
LOWEST EMI | ₹ 2,999/-

Pigeon HAVELLS Butterfly Preethi ULTRA
WET GRINDER
FESTIVAL PRICE | ₹ 3,490/- ONWARDS

EUREKA FORBES AO Smith HAVELLS LG pureit
RO WATER PURIFIER
FESTIVAL PRICE | ₹ 12,990/- ONWARDS

Haier Pigeon
AIR FRYER
FESTIVAL PRICE | ₹ 3,195/- ONWARDS

AO Smith HAVELLS V-GUARD
WATER HEATER
3 Liters ₹ 3,490/- | 15 Liters ₹ 7,790/- | 25 Liters ₹ 8,990/-

BIGGEST FESTIVAL KITCHEN APPLIANCES DEALS

MIXER COMBO Pigeon 47% DISCOUNT
EXCELLA 3 JAR - 16085
+ FRESH DRY IRON 1000W - 15945
MRP ₹ 4,590/- | FESTIVAL PRICE ₹ 2,450/-

INDUCTION COMBO Pigeon 51% DISCOUNT
INDUCTION COOKTOP RAPIDO CUTE 667-M
+ STORM FLAT TAWA 250-IB - 14037
MRP ₹ 4,590/- | FESTIVAL PRICE ₹ 2,100/-

CHIMNEY COMBO Pigeon 55% DISCOUNT
NEBULA CHIMNEY 60 CM
+ AYUSH 4 BR
MRP ₹ 22,089/- | FESTIVAL PRICE ₹ 9,990/-

3 BR LPG COMBO Pigeon 44% DISCOUNT
GLASSTOP AYUSH 3 BR-14336
+ FAVOURITE FLAT TAWA 280 - 961
MRP ₹ 6,894/- | FESTIVAL PRICE ₹ 3,890/-

HEAT & TREAT COMBO Pigeon 47% DISCOUNT
HEAT N TREAT TIFFIN + FLASK 1000 ML RED
+ CUTLERY SET 26 PCS
MRP ₹ 3,215/- | FESTIVAL PRICE ₹ 1,695/-

NEW LAUNCH
Nutri Mixer 400W 2J 47% DISCOUNT MRP ₹ 2,995/- FESTIVAL PRICE | ₹ 1,595/-
Hand Garment Steamer 41% DISCOUNT MRP ₹ 2,295/- FESTIVAL PRICE | ₹ 1,350/-

BENGALURU

NEW SANJAYANAGAR Dr. Rajgopal Road, Sanjayanagar Main Road, Geddalahalli, Bengaluru. 9606977121 / 9731306764
NEW BAGALURU Bagaluru Main Road, Nxt to Brindavan College, Ph : 080-35712968 / 35712969 / 9731306702
NELAMANGALA Sri Maruthi Complex, BH Road, Opp. to JCS, ITI College Ph : 9731306692 / 9686680755
BIDADI Kenchanguppe Gate, Opp. HDFC Bank, Bangalore - Mysore Highway. Ph : 7702203254
KONANAKUNTE Opp. to Soudhamini Chowltry, Nxt to Police Station Ph :9731306531
BEGUR # 80, Hongasandra, Opp. Royal Concorde School, Bangalore. Ph : 080- 41499467 / 41625433, Mob : 9731306604
R.T. NAGAR Opp. Police Station 080-23559977 / 9731307264
HOSKOTE Next to Govt. Womens College. Ph: 9731306767
HENNUR MAIN ROAD Diagonally Opp. to D'Mart. Ph : 48651500, 9731306571
UTTARAHALLI Uttarahalli Main Road Near HDFC Bank. 080-49587474 Ph : 9731306547
WHITEFIELD Ramagondanahalli, Next to Udupi Delicacy Hotel. Ph: 080-40984677 9513499851
YELAHANKA New Town, Sharavathi Road, Next to SBI Bank. Ph: 9731306685
HEBBAGODI Attibeli Hobli, Near Church, Opp. Biacon. Ph: 27849941 9731307257
HEGGANAHALLI Peenya 2nd Stage, Vishwaneedum PO, Main Road. Ph: 9591997257, 080-28366565 / 66
MAHADEVPURA Whitefield Main Road, Next to Brand Factory Close to Phoenix Marketcity, Ph : 080-48148975, 9148151731
KENGERI 80Ft. Rd., Near Shirke Apts., Ph: 9731306634
VIJAYANAGAR MC Layout, Chord Rd., Near Metro Station. Ph: 9731306631
MARATHALLI Opp. Park Plaza. Ph:9731306703, 080-42200050
MATHIKERE Bombay Dyeing Road Ph : 080-40974968 9731306641
HSR LAYOUT 1st Sector, Dia. Opp to ICICI Bank Ph : 9731306550
BANASHANKARI Opposite to Big Bazar Ph : 080-26691262 97313066606
JAYANAGAR 40th Cross, 9th Main Ph : 080-26541050/51 9731306617
CHANDRA LAYOUT Near Water Tank. 9731306558, 080-41503359
NAGARBHAVI 6th Block, 2nd Stage, Opp. BDA Complex. Ph: 9731306616
CHANNASANDRA Uttarahalli Main Road, Near RNSIT. Ph: 28613065 9731306766
THANISANDRA King Space Meadows Apt., Nr. Railway Track Underpass Ph : 9731306763
SUNKADAKATTE Janapriya Commercial Complex, Magadi Road, Ph : 080-23288940 / 942 9686680764
RAJAJINAGAR Opp. Diacon Hospital 080-23134692 Ph : 9731306570
VIDYARANYA PURA Opp. BWSSB 080-41721897 / 861 Ph : 9731306614
HRBR LAYOUT Surya Plaza, Opp. Joyalukkas Kammanahalli Main Road 9731306596
RAMMURTHY NAGAR Opp. MORE. Ph:8861007307 080-41638612 / 13
PUTTENAHALLI Dia. Opp. to Brigade Millenium. Ph:9591997265 080-40954615 / 16
HULIMAVU Near ShivSagar Hotel Ph : 9731306625 080-26483425
RAJAJINNAGAR PREMIUM STORE Next to Cake Palace Ph : 41610910 / 9731306537
LG SHOPPE MARATHALLI Ph: 080-42197907/08, 8861002259
LG SHOPPE RAJAJINAGAR Ph : 9731306671
LG SHOPPE RAJARAJESHWARI NAGAR Ph: 9591997261
PEENYA T-DASARAHALLI Santosh Enclave, Land Mark Old Reliance Bldg. Ph: 9731306684 / 9731306572 080-28393199 / 28394199

Regd. Off: M/s ADISHWAR INDIA LIMITED, #85, 59th Cross, 4th Block, Rajaji Nagar, Bangalore - 560010. Tel: 080-40733999, CIN: U51909KA1997PLC021681

• 0% Interest • Free Delivery • Exchange Offers • Spot Finance • Major Credit Cards Accepted • Home Delivery only within City Limits • 0% Interest, Offers, Free Gifts depends on Brands & Selective Models • Products shown here are only indicative • Exchange Rates are subject to evaluation • Offers valid till stocks last • Products available without the offers also • Spot finance is available from Bajaj Finance • Terms & Conditions apply • Finance at the sole discretion of the financiers • Offers not applicable on Sony & Samsung.

HELPLINE 080 - 408 33 999

Shop Online @ www.adishwarestore.com
For Trade Enquiry sales@adzen.co.in

Terms & Condition apply*. Finance @ the sole discretion of the finance companies. Finance Offers vary from model to model brand to brand. Festival Prices mentioned after Credit Card CashBack. Conditions apply. Images are indicative only. Cash Back applicable on selected brands.

कार्तिक कृष्णा - 14 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 98 ▪ पृष्ठ - 8+8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 31-10-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

5 सुरक्षा, सुविधा और सुव्यवस्था का वैश्विक मानक बनेगा प्रयागराज महाकुंभ

7 अनुपम खेर ने फिल्म 'विजय 69' के जरिए अपनी मां दुलारी को दिया ट्रिब्यूट

फर्स्ट टेक

मुर्मु ने दीं दीपावली की शुभकामनाएं

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को बुधवार को दीपावली की पूर्व संध्या पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ, समृद्ध और संवेदनशील समाज के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। श्रीमती मुर्मु ने दीपावली के शुभकामना संदेश में लोगों से प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने का संकल्प लेने की भी अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रकाश पर्व दीपावली वंचित और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने और उनके साथ खुशियां बांटने का अवसर भी है। राष्ट्रपति ने कहा, दीपावली खुशी और उमंग का त्योहार है। यह अंधकार पर प्रकाश और अधर्म पर धर्म की विजय का उत्सव है। यह त्योहार देश-विदेश में विभिन्न समुदायों और वर्गों द्वारा उल्लास से मनाया जाता है। यह पर्व एक उज्ज्वल भविष्य के लिए आशा का संचार करता है। उन्होंने कहा, दीपावली के पावन अवसर पर हमें अन्त:करण को आलोकित करने और प्रेम, करुणा तथा सामाजिक सद्भाव जैसी सद्प्रवृत्तियों को अपनाने का निश्चय करना चाहिए।

स्पेन में अचानक आयी बाढ़ से 72 लोगों की मौत

बार्सिलोना/एपी। स्पेन के प्राधिकारियों ने बुधवार को बताया कि देश के पूर्वी हिस्से में अचानक आयी बाढ़ के कारण 72 लोगों की मौत हो गयी, कई कारें बह गयीं, गांवों में पानी भर गया तथा रेल लाइन व राजमार्ग अवरुद्ध हो गए। पूर्वी वेलेंशिया प्रांत में आपातकालीन सेवाओं ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की। स्पेन के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में मंगलवार को शुरू हुई मूसलाधार बारिश बुधवार को भी जारी रही, जिससे बाढ़ के हालात बदतर हो गये। रेल प्राधिकारियों ने बताया कि एक रेलगाड़ी पटरी से उतर गई जिसमें 300 लोग सवार थे। हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ है। स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज ने कहा कि कई शहर बाढ़ से प्रभावित हैं।

ऋषि सुनक ने विपक्ष के नेता पद से इस्तीफा दिया

लंदन/भाषा। ऋषि सुनक ने बुधवार को ब्रिटेन की संसद में विपक्ष के नेता पद से इस्तीफा दे दिया। इस मौके पर उन्होंने दिवाली के पर्व की कुछ यादों का जिक्र करते हुए कहा कि दो साल पहले प्रकाश के त्योहार के दौरान वह भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री नियुक्त किए गए थे। सुनक (44) जुलाई में आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की हार के बाद नए नेता के निर्वाचित होने तक कंजर्वेटिव पार्टी के अंतरिम नेता के रूप में कार्य कर रहे थे। सुनक ने कहा, ''मैं दिवाली के दौरान अपनी पार्टी का नेता बना और इसी त्योहार के दौरान मैं अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं।''

सूर्यास्त 31-10-2024	सूर्योदय 01-11-2024
5:53 बजे	6:13 बजे

BSE	NSE
79,942.18	24,340.85
(-426.85)	(-126.00)

सोना	चांदी
8,357 रु.	100,425 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

दीपोत्सव पर अयोध्या ने बनाए दो नए 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में सरयू नदी के तट पर बुधवार को आठवें दीपोत्सव के अवसर पर दो विश्व रिकॉर्ड बने। एक साथ सबसे अधिक लोगों द्वारा आरती करने और सबसे अधिक दीये जलाने के दो 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाए गए।

'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' के निर्णायक प्रवीण पटेल ने बुधवार

शाम को नए रिकॉर्ड की घोषणा की, जहां वे 'गिनीज कंसल्टेंट' निश्चल भरोट के साथ सत्यापन के लिए आए थे। पटेल ने कहा, ''उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, अयोध्या जिला प्रशासन और सरयू आरती समिति सबसे अधिक 1,121 लोगों द्वारा आरती करने के लिए 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' के खिताब धारक हैं। आप सभी को बधाई हो।''

दूसरे रिकॉर्ड के बारे में गिनीज निर्णायक दल ने कहा, कुल 25,12,585 दीये जलाकर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, अयोध्या जिला प्रशासन और डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, सबसे अधिक दीयों के एक साथ प्रज्वलन के लिए नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के खिताब धारक हैं।

डबल इंजन सरकार ने अपना वादा (राम मंदिर का निर्माण) पूरा किया : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि अयोध्या का परिवर्तन ''डबल इंजन सरकार द्वारा अपने वादे को पूरा करने'' का प्रमाण है तथा काशी और मथुरा में भी इसी तरह का परिवर्तन होना चाहिए।

इस साल की शुरुआत में 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद आठवें दीपोत्सव में भाग लेते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''यह एक पहला ऐतिहासिक अवसर है क्योंकि 500 वर्षों के बाद भगवान राम अब दिवाली के लिए अयोध्या में अपने निवास में हैं। यह तो बस शुरुआत है और इस शुरुआत को अपने तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचना है। इसलिए 2047 तक जब देश अपनी आजादी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाएगा, तो काशी और मथुरा को

> अब अयोध्या को खुद को साबित करने की बारी है। याद रखिए, मां सीता की यह अग्निपरीक्षा बार-बार नहीं होनी चाहिए। हमें इससे बाहर आना होगा.. अयोध्या के लोगों को एक बार फिर (इसके लिए) आगे आना होगा।

भी अयोध्या की तरह चमकना चाहिए।'' उन्होंने कहा,''डबल इंजन सरकार ने अपना वादा (राम मंदिर का निर्माण) पूरा किया है और अब अयोध्या को खुद को साबित करने की बारी है। याद रखिए, मां सीता की यह अग्निपरीक्षा बार-बार नहीं होनी चाहिए। हमें इससे बाहर आना होगा.. अयोध्या के लोगों को एक बार फिर (इसके लिए) आगे आना होगा। यही कारण है कि हम आज इस भव्य समारोह के लिए यहां हैं।'' मुख्यमंत्री ने सरकार के विकास एजेंडे में ''बाधा बनने'' के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि माफियाओं की तरह इन बाधाओं को भी समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या का परिवर्तन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सनातन धर्म की विरासत के विकास और उन्हें वैश्विक मंच पर ले जाने के दृष्टिकोण का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''इस साल 22 जनवरी को, 500 साल के इंतजार के बाद, भगवान राम लला एक बार फिर अपने जन्म स्थान पर विराजमान हुए, जिससे दुनिया को यह संदेश मिला कि किसी को भी अपने रास्ते से कभी नहीं भटकना चाहिए क्योंकि यह दृष्टिकोण निश्चित रूप से सफलता की ओर ले जाएगा।'' उन्होंने कहा कि यह उन सभी आत्माओं को याद करने का क्षण है जिन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था।

अमेरिका-चीन विवाद को अपने लाभ का अवसर नहीं मानता है भारत : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अमेरिका एवं चीन के बीच जारी व्यापारिक तनाव को भारत अपने लाभ के लिए एक अवसर के रूप में नहीं देख रहा है और वह अपनी मजबूती के दम पर खड़ा है।

गोयल ने सऊदी अरब के रियाद में आठवें फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपार संभावनाओं से भरपूर है और

दुनिया उभरते बाजारों के साथ मजबूत संबंध बना रही है। उन्होंने कहा, ''भारत अमेरिका-चीन तनाव को अपने लाभ का जरिया नहीं मानकर चलता है। हमारा मानना है कि हम अपने लोकतंत्र, कानून के शासन, हमारी युवा आबादी की ताकत और हमारे जनसांख्यिकीय लाभांश के बल पर अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं। यह प्रतिभाशाली, उत्साही और आकांक्षी है।''

गोयल भारत में व्यापक आर्थिक संभावनाओं और अमेरिका-चीन व्यापार तनाव से होने वाले फायदे के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। अमेरिका ने चीन से आयातित कई वस्तुओं पर सीमा शुल्क बढ़ा दिया है। हालांकि, गोयल ने यह माना कि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली इस समय कुछ तनावों से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदस्य देशों के बीच व्यापारिक विवादों को हल करने के लिए एक निष्क्रिय अपीलीय निकाय का सामना कर रहा है।

मोदी ने युवा नौकरशाहों से नागरिकों के 'जीवन को सुगम' बनाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एकता नगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को युवा नौकरशाहों से नागरिकों के लिए 'जीवन को सुगम' बनाने का आग्रह किया। मोदी ने मजबूत फीडबैक (जानकारी) तंत्र और शिकायत निवारण प्रणालियों में सुधार के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने अपने गुजरात दौरे के पहले दिन गुजरात के नर्मदा जिले में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास एकता नगर में 'आरंभ 6.0' नामक 99वें 'कॉमन फाउंडेशन कोर्स' के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मोदी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं और राज्य में अपने प्रवास के दौरान राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भाग लेंगे। इसमें कहा गया है कि सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि शाम को अहमदाबाद से लगभग 200 किलोमीटर दूर एकता नगर पहुंचने के बाद मोदी ने इन अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करने से पहले कई नई परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

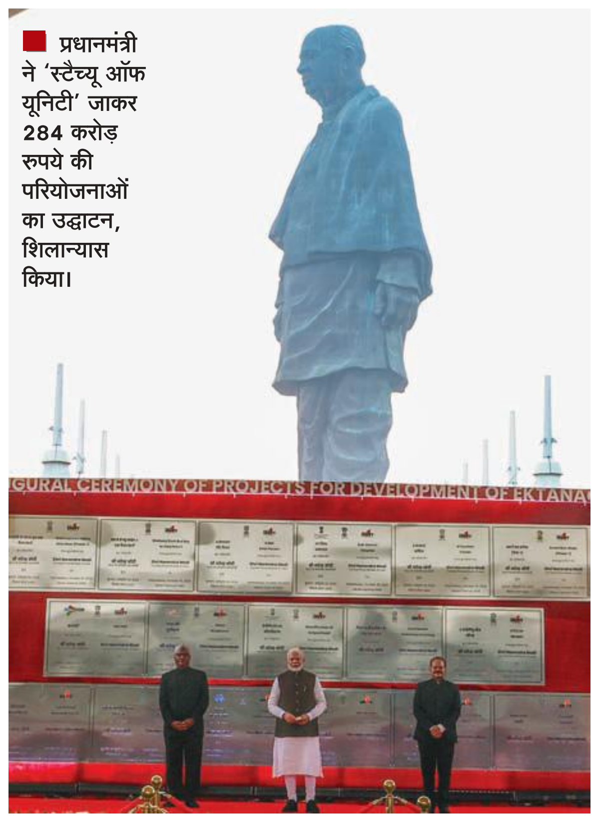

प्रधानमंत्री ने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' जाकर 284 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''आरंभ 6.0 के दौरान युवा लोक सेवकों के साथ बातचीत की। हमने जनभागीदारी की भावना के साथ शासन को बेहतर बनाने के बारे में व्यापक चर्चा की। साथ ही मजबूत फीडबैक तंत्र और शिकायत निवारण प्रणालियों में सुधार के महत्व पर प्रकाश डाला। युवा लोक सेवकों से नागरिकों के लिए 'जीवन को सुगम' बनाने का आग्रह किया।''

सलमान खान को फिर मिली जान से मारने की धमकी

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को बुधवार को एक अज्ञात व्यक्ति ने जान से मारने की नई धमकी दी। धमकी देने वाले व्यक्ति ने अभिनेता से दो करोड़ रुपये की फिरौती भी मांगी है। पुलिस के मुताबिक, मुंबई पुलिस ट्रैफिक कंट्रोल रूम को आज एक गुमनाम संदेश मिला जिसमें सुपरस्टार सलमान खान को दो करोड़ रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। वर्ली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी की प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि मुंबई पुलिस ने मंगलवार को सलमान खान और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता जीशान सिद्दीकी को धमकी देने वाले 20 साल के युवक मोहम्मद तैयब उर्फ गुफरान खान को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया। कुछ दिन पहले, मुंबई पुलिस ने अभिनेता को पांच करोड़ रुपये की रंगदारी की धमकी देने के आरोप में जमशेदपुर (झारखंड) के 24 वर्षीय सब्जी विक्रेता शेख हुसैन मोहसिन को गिरफ्तार किया था।

यात्री का सामान निर्धारित सीमा से अधिक होने पर जुर्माना लगाएगा पश्चिमी रेलवे

__मुंबई/भाषा।__ महाराष्ट्र के बांद्रा टर्मिनस पर बीते दिनों हुई भगदड़ के कुछ दिनों बाद पश्चिमी रेलवे ने कहा है कि अगर यात्रियों का सामान उनकी संबंधित यात्रा श्रेणी के लिए स्वीकार्य व तय सीमा से अधिक होगा तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। रेलवे ने लोगों से स्टेशनों पर अधिक भीड़ न लगाने का आग्रह किया है। पश्चिम रेलवे ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि रेलवे अपने प्रत्येक यात्री को अपनी यात्रा के दौरान एक निश्चित मात्रा में ही बिना किसी शुल्क के सामान ले जाने की अनुमति देता है, लेकिन स्कूटर और साइकिल जैसी वस्तुओं समेत 100 सेंटीमीटर की लंबाई, 100 सेमी की चौड़ाई और 70 सेमी की ऊंचाई से बड़े आकार के सामान को नि:शुल्क ले जाने की अनुमति नहीं होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है, पश्चिम रेलवे सभी यात्रियों से आग्रह करता है कि वे स्टेशनों पर अधिक भीड़भाड़ से बचें और ट्रेन की समय सारणी के अनुसार केवल आवश्यक होने पर ही परिसर में प्रवेश करें तथा निर्धारित सामान सीमा का भी पालन करें।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शुभ दीपावली

सम्पूर्ण भारतवर्ष में,
शुभ जगमगाहट है।
यहां प्रत्येक जन के अधर पर,
अब खिलखिलाहट है।
दिखी पुर वीथियों में हिंद के,
नव सुगबुगाहट है।
लगा ऐसा कि शायद,
राम युग की पुन: आहट है।।

लद्दाख क्षेत्र में भारत-चीन की सैन्य टुकड़ियां पीछे हटी, जल्द शुरू होगी गश्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन की सैन्य टुकड़ियों को अग्रिम मोर्चे से पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। यह जानकारी बुधवार को यहां सेना के सूत्रों ने दी।

> ▪ दोनों देशों के सैन्य अधिकारी चार साल से अधिक की तनातनी के बाद मोर्चे पर तनाव शैथिल्य की खुशी में दिवाली के अवसर पर एक-दूसरे को मिठाइयों का आदान-प्रदान करेंगे।

सूत्रों के अनुसार एलएसी पर दोनों देशों के सैन्य अधिकारी चार साल से अधिक की तनातनी के बाद मोर्चे पर तनाव शैथिल्य की खुशी में दिवाली के अवसर पर एक-दूसरे को मिठाइयों का आदान-प्रदान करेंगे।

सूत्रों ने कहा, मोर्चे से पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। स्थानीय कमांडरों के स्तर पर बातचीत का सिलसिला जारी रहेगा। कल दोनों ओर से मिठाइयों का आदान-प्रदान किया जायेगा।

लद्दाख सेक्टर में 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच खूनी झड़प के बाद से सीमा पर तनाव की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन दोनों पक्षों के बीच स्थिति को शिथिल करने के लिये कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर बातचीत चल रही थी। दोनों पक्षों ने हाल में भारत चीन सीमा पर अग्रिम मोर्चे से सैन्य टुकड़ियों को पीछे हटाने पर सहमति व्यक्त की जिसके तहत सेनाओं को पीछे हटाने का काम पूरा कर लिया गया है।

दोनों पक्ष पहले की तरह एलएसी पर गश्त का सिलसिला जल्द ही शुरू करेंगे। ब्रिगेडियर और उससे नीचे के रैंक स्थानीय कमांडर गश्त के तौर-तरीकों को बातचीत से तय करेंगे।

चीन के साथ शांति चाहता है भारत : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों के अनुरूप आम सहमति से चीन के साथ शांति प्रक्रिया जारी रखना चाहता है।

सिंह ने 'बड़ा खाना' के अवसर पर तेजपुर स्थित गजराज कोर के मुख्यालय में भारतीय सेना के जवानों को संबोधित करते हुए शांति प्रक्रिया में सैनिकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, हम आम सहमति के जरिए इस शांति प्रक्रिया को जारी रखना चाहते हैं। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने

कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं। हम अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं और यह भारत की स्पष्ट नीति है।

सिंह ने कहा कि हालांकि, कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं कि देश की सीमाओं की रक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ता है, जबकि सरकार शांति बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, यह कोई छोटी बात नहीं है, यह बहुत बड़ी बात है। हमने यह सब आपके कारण ही हासिल किया है। यह आपसी संवाद इसलिए संभव हो पाया क्योंकि हर कोई आपके साहस और पराक्रम से परिचित है।

नम्मा मेट्रो की 'भद्रा टीबीएम' नागवारा स्टेशन पर पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। टीबीएम के नाम से मशहूर 'द लास्ट टनल बोरिंग मशीन' भद्रा ने केजी हल्ली से 937 मीटर पूरा करने के बाद बुधवार को नागवारा में कामयाबी हासिल की। इसे गत 2 अप्रैल को लॉन्च किया गया था। यह परियोजना के चरण-2 के अंतर्गत रीच-6 लाइन की भूमिगत सुरंग निर्माण में अंतिम भेदन है। इसके साथ ही कुल 20992 मीटर भूमिगत सुरंग निर्माण का काम पूरा हो गया है। सभी 9 टीबीएम ने साउथ रैंप (डेयरी सर्कल) से नागवारा के बीच भूमिगत सुरंग का काम पूरा कर लिया है।

इस संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बताया कि पहली टीबीएम (ऊर्जा) साल 2020 में 20 अगस्त को कैंटोनमेंट से शिवाजी नगर स्टेशन तक लॉन्च की गई थी। वहीं, साल 2022 में 25 अप्रैल को टीबीएम ऊर्जा द्वारा कैंटोनमेंट और पॉटरी टाउन स्टेशन के बीच एक दिन में अधिकतम 27 मीटर सुरंग खोदी गई। एक महीने में अधिकतम 308 मीटर सुरंग का निर्माण टीबीएम तुंगा द्वारा जुलाई 2024 में केजी हल्ली और नागवारा के बीच किया गया। साउथ रैंप (डेयरी सर्कल) और नागवारा के बीच भूमिगत खंड का विवरण भी साझा किया गया है। इसके अनुसार, भूमिगत खंड की लम्बाई 13.76 किमी है। सुरंग खुदाई की लंबाई 20.99 किमी है। सुरंग खुदाई का जो काम पूरा हुआ, उसकी लंबाई 20.99 किमी यानी 100 प्रतिशत है। इस खंड में लगाई गईं टीबीएम की संख्या 9 है। भूमिगत स्टेशनों की संख्या 12 है। स्टेशन कार्यों की प्रगति 90 प्रतिशत है।

नड्डा और स्वास्थ्य मंत्रालय के कर्मचारियों ने भारत की एकता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के पूर्व दिवस पर स्वास्थ्य मंत्रालय के कर्मचारियों के एक समूह के साथ मिलकर भारत की 'एकता और अखंडता' को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान के मुताबिक, निर्माण भवन में लिए गए संकल्प का उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत का सम्मान करना है।

बयान में बताया गया कि पटेल की दूरदृष्टि और नेतृत्व ने राष्ट्र को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के हवाले से बयान में कहा गया है आज (बुधवार को) हम सरदार पटेल द्वारा समर्थित एकता और अखंडता के सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। यह सुनिश्चित करना हमारी

सामूहिक जिम्मेदारी है कि हमारे कार्य व नीतियां समावेशिता और विविधता की भावना को प्रतिबिंबित करें, जो भारत को अद्वितीय बनाती हैं। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों ने भारत की विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं के बीच एकता के बंधन को मजबूत करने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।

विपक्ष के नए हमलों के बीच अदाणी की कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 39,000 करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई/भाषा। उद्योगपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाले अदाणी समूह की कंपनियों का बाजार पूंजीकरण इस सप्ताह 39,000 करोड़ रुपए से अधिक बढ़कर 15.5 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इस बीच, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने समूह पर हाल ही में नए हमले किए हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, बंदरगाह से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार से जुड़े इस समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ का बाजार पूंजीकरण 3 दिन के कारोबार में मजबूत वित्तीय और परिचालन नतीजों के दम पर बढ़ा है। प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लि. ने का पूंजीकरण सबसे अधिक 23,268 करोड़ रुपए बढ़ा, जबकि अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड का मूल्यांकन 9,440 करोड़ रुपए बढ़ा। इस बीच, अदाणी पावर लि. ऐसी कंपनी रही जिसका बाजार पूंजीकरण गिरा है। समूह की अन्य कंपनियों - बिजली पारेषण कंपनी अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लि., स्वच्छ ऊर्जा कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लि., शहरी गैस वितरक अदाणी टोटल गैस लि., अदाणी विल्मर लि., मीडिया फर्म एनडीटीवी और सीमेंट कंपनियों- एसीसी और अंबुजा सीमेंट के मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई।

पेट्रोल, डीजल पर कमीशन बढ़ा, ईंधन के खुदरा मूल्य में बदलाव नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल पंप डीलर का कमीशन बढ़ा दिया है। मंगलवार को इसकी घोषणा की गई। हालांकि, डीलर का कमीशन बढ़ने के बावजूद ईंधन की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा।

इसके उलट, राज्य के भीतर माल ढुलाई को युक्तिसंगत बनाने के कारण ओडिशा, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें घटेंगी। पेट्रोल की बिक्री पर कमीशन 65 पैसे प्रति लीटर और डीजल पर 44 पैसे प्रति लीटर बढ़ाया गया है। इसके साथ ही, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने राज्यों के भीतर शुल्क को भी तर्कसंगत बनाया है। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने 29 अक्टूबर को डीलरों को पत्र

लिखकर सभी श्रेणियों में डीलर मार्जिन बढ़ाए जाने की सूचना दी। कंपनी ने लिखा है, प्रति माह 170 रुपए प्रति किलोलीटर से कम बिक्री करने वाली खुदरा दुकानों की मुश्किलों को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसको देखते हुए पेट्रोल के लिए लगभग 65 पैसे प्रति लीटर और डीजल के मामले मे 44 पैसे प्रति लीटर डीलर मार्जिन बढ़ाने का निर्णय किया गया है। डीलरों को दिए जाने वाले कमीशन में लगभग आठ साल में यह पहला संशोधन है। सार्वजनिक क्षेत्र की सभी तीन ईंधन खुदरा विक्रेताओं... आईओसी, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. ने डीलर मीशन में संशोधन की घोषणा 'एक्स' पर की।

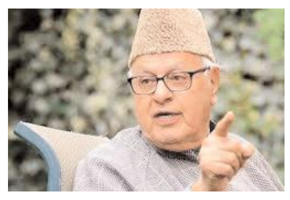

जब तक आतंकवादी घुसपैठ करते रहेंगे, मारे जाते रहेंगे : अब्दुल्ला

जम्मू/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को यहां कहा कि जब तक आतंकवादी देश में घुसपैठ करते रहेंगे, मुठभेड़ में मारे जाते रहेंगे।

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुठभेड़ होती रहेंगी। आतंकवादी आते रहेंगे और हम उन्हें मार गिराते रहेंगे। वह अखनूर में हाल में एक मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों की मौत के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

क्या इस बार जम्मू कश्मीर में 'दरबार मूव' होगा या नहीं, इसके जवाब में अब्दुल्ला ने कहा, दरबार निश्चित रूप से होगा।

इस प्रथा के तहत जम्मू कश्मीर प्रशासन हर साल सर्दियों में श्रीनगर के बजाय जम्मू से संचालित होता है जो केंद्रशासित प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी है।

जमानत आदेश के छह महीने बाद अदालतें बांड भरने के लिए नहीं कह सकतीं : शीर्ष अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि अदालतें जमानत आदेश पारित होने के छह महीने बाद आरोपी पर जमानत बांड प्रस्तुत करने की शर्त नहीं लगा सकतीं।

न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि यदि अदालत मामले के गुण-दोष से संतुष्ट है तो उसे या तो जमानत दे देनी चाहिए या फिर याचिका खारिज कर देनी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने 24 अक्टूबर को एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार किया था, जिसने पटना उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश में बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद संशोधन अधिनियम के

तहत उसके खिलाफ दर्ज मामले में छह महीने बाद जमानत बांड प्रस्तुत करने का उसे निर्देश दिया गया था।

निचली अदालत ने व्यक्ति को 10,000 रुपए के बांड और इतनी ही राशि की दो जमानतें प्रस्तुत करने पर रिहा करने का निर्देश दिया।

याचिका पर विचार करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा, यह पिछले कुछ दिनों में उच्च न्यायालय द्वारा पारित कुछ आदेशों में से एक है, जिसमें मामले का गुण-दोष के आधार पर निर्णय किए बिना उच्च न्यायालय ने वर्तमान याचिकाकर्ता को इस शर्त पर जमानत दे दी है कि याचिकाकर्ता-आरोपी आदेश पारित होने के छह महीने बाद जमानत बांड प्रस्तुत करेगा।

इसने कहा कि इस बात का कोई कारण नहीं बताया गया कि जमानत देने के आदेश के क्रियान्वयन को छह महीने के लिए क्यों स्थगित किया गया।

पीठ ने कहा, हमारी राय में किसी व्यक्ति/आरोपी को जमानत देने के लिए ऐसी कोई शर्त नहीं लगाई जा सकती।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया और तथा गुण-दोष के आधार पर नए सिरे से निर्णय करने के लिए इसे 11 नवंबर को संबंधित अदालत के समक्ष सूचीबद्ध किया।

मामला याचिकाकर्ता के वाहन से 40 लीटर देशी शराब की कथित बरामदगी से संबंधित है।

इतालवी मूल की सोनिया गांधी की बेटी... : कुमारस्वामी ने 'प्रवासियों' वाले बयान पर कांग्रेस पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चन्नपटना। जनता दल (एस) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने चन्नपटना में उन्हें और उनके बेटे निखिल कुमारस्वामी को 'प्रवासी' कहे जाने को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं पर निशाना साधा और साथ ही लोकसभा उपचुनाव के लिए केरल के वायनाड से प्रियंका गांधी वाद्रा की उम्मीदवारी पर सवाल उठाया। दरअसल, चन्नपटना में 13 नवंबर को उपचुनाव होना है और निखिल कुमारस्वामी चन्नपटना से भाजपा-जद (एस) गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार हैं।

कुमारस्वामी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रियंका गांधी वाद्रा की मां एवं कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की राष्ट्रीयता का भी जिक्र किया। कुमारस्वामी ने चन्नपटना में उन्हें बाहरी या प्रवासी कहे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं प्रवासी कैसे हूं? जब मैं मरूंगा तो मुझे रामनगर जिले में ही दफनाया जाएगा। मेरा जन्म भले ही हासन जिले में हुआ हो लेकिन मेरा पालन-पोषण और मेरा पूरा जीवन रामनगर जिले के बिडदी होबली के केथिगनहल्ली गांव में ही हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, आप (कांग्रेस) इटली में जन्मी सोनिया गांधी की बेटी (प्रियंका गांधी) को केरल के वायनाड से चुनाव लड़ा सकते हैं... मैं कन्नड़ हूं, कन्नड़ मिट्टी में पैदा हुआ हूं, मैं यहां प्रवासी कैसे हो सकता हूं?... अगर मैं प्रवासी हूं तो मैं पूछना चाहता हूं कि वह कौन है? पहले इसका जवाब दें, बाकी बातों पर बाद में चर्चा करेंगे।''

चन्नपटना रामनगर जिले में एक तालुका और विधानसभा क्षेत्र है। कुमारस्वामी ने दो बार चन्नपटना का प्रतिनिधित्व किया और मई में हुए चुनाव में वह मांड्या से लोकसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद कुमारस्वामी ने यह सीट छोड़ दी जिसके कारण इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। निखिल का मुकाबला कांग्रेस के सी.पी. योगीश्वर से है जिनका चन्नपटना में अच्छा प्रभाव है और हाल ही में वह भाजपा से कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

दिवाली की जबर्दस्त मांग से सोना 1,000 रुपए चढ़कर 82,000 रुपए के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दीपावली के ठीक पहले जोरदार लिवाली के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को पहली बार सोने की कीमत 1,000 रुपए के जबर्दस्त उछाल के साथ 82,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, दिल्ली में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,000 रुपए बढ़कर 82,400 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। स्थानीय बाजारों में 99.5% शुद्धता वाला सोना भी 1,000 रुपए चढ़कर 82,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना क्रमश: 81,400 रुपए और 81,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। व्यापारियों ने सोने की कीमतों में तेज उछाल का श्रेय दिवाली के दौरान बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की भारी खरीदारी के साथ-साथ अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले अनिश्चित भू-राजनीतिक स्थिति के कारण मजबूत वैश्विक रुख को दिया। सोने की कीमत पिछले साल 29 अक्टूबर से 35% बढ़कर 82,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। उस समय सोने की कीमत 61,200 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। इस बीच, लगातार पांचवें दिन बढ़त को जारी रखते हुए चांदी भी 1,300 रुपए उछलकर 1.01 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में इसका भाव 99,700 रुपए प्रति किलोग्राम था। चांदी की कीमत पिछले वर्ष के 29 अक्टूबर के बाद से 36 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,01,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर है। पिछले साल इस समय चांदी का भाव 74,000 रुपए प्रति किलोग्राम था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स सोना वायदा 0.60 प्रतिशत या 16.80 डॉलर प्रति औंस बढ़कर 2,797.90 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के जिंस शोध के विश्लेषक मानव मोदी के अनुसार, अमेरिका और जापान में बढ़ती राजनीतिक अनिश्चितता के साथ-साथ ब्याज दरों पर और अधिक संकेतों की उम्मीदसे सुरक्षित-निवेश के विकल्प के रूप में सोने की मांग को बढ़ावा मिलने से इसकी कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं।

दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध लगाने में कोई हिंदू-मुस्लिम पहलू नहीं : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पटाखों पर प्रतिबंध के सरकार के फैसले का बचाव करते हुए बुधवार को कहा कि लोगों को प्रदूषण से बचाने के लिए यह जरूरी है और इसमें कोई 'हिंदू-मुस्लिम' पहलू नहीं है।

केजरीवाल ने कहा कि दिवाली रोशनी का त्योहार है और इसे प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे फोड़ने के बजाय दीये और मोमबत्तियां जलाकर मनाया जाना चाहिए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ऐसा नहीं है कि हम दूसरों पर कोई एहसान कर रहे हैं। हम खुद पर एहसान कर रहे हैं क्योंकि आखिरकार हम और हमारे छोटे बच्चे (पटाखे फोड़ने से) होने वाले प्रदूषण के शिकार होंगे।

दिल्ली सरकार ने इस महीने की शुरुआत में एक जनवरी 2025 तक शहर में सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण और उन्हें फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी की थी।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत यह निर्देश जारी किया था और इसमें ऑनलाइन बिक्री और आपूर्ति पर प्रतिबंध भी शामिल हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा की गई आलोचना को खारिज कर दिया।

सेना ने अखनूर में मुठभेड़ में मारे गए कुत्ते की बहादुरी को सलाम किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। भारतीय सेना ने यहां अखनूर सेक्टर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में मारे गए अपने खोजी कुत्ते फैंटम के शव पर पुष्पचक्र अर्पित किया और उसकी बहादुरी और बलिदान को सलाम किया। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को जम्मू कश्मीर के अखनूर सेक्टर में जवाबी कार्रवाई के दौरान मारे गए चार वर्षीय बेल्जियन मेलिनोइस कुत्ते ने आतंकवादियों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

कुत्ते को सोमवार को एक आतंकवादी हमले से सैनिकों की रक्षा करने के प्रयास में गोली लग गई थी। कुत्ते को बुधवार को उधमपुर में सेना के जवानों ने अंतिम विदाई दी। उसके शव को तिरंगे में लपेटा गया था और पुष्पचक्र चढ़ाा गया। व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 28 अक्टूबर को अखनूर के बट्टल के घने जंगलों में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सेना के कुत्ते फैंटम को पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए आज उधमपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। उसके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जाएगा। रक्षा पीआरओ ने कहा, फैंटम की बहादुरी ने लोगों की जान बचाई और अभियान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उसके बलिदान को सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

मई 2020 में जन्मे इस कुत्ते को अगस्त 2022 में इस क्षेत्र में तैनात किया गया था और यह कई अहम अभियानों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। उसे भारतीय सेना के रिमाउंट वेटनरी कोर (आरवीसी) केंद्र में प्रशिक्षित किया गया था।

सोमवार सुबह से अखनूर सेक्टर के बट्टल क्षेत्र में जारी और दो दिनों तक चली मुठभेड़ में भारी हथियारों से लैस तीन आतंकवादी मारे गए।

नवी मुंबई में एक करोड़ रुपए की कोकीन जब्त, अफ्रीकी नागरिक गिरफ्तार

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने 1.02 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त की है और इस मामले अफ्रीका के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। नवी मुंबई पुलिस के मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ के दल ने खुफिया सूचना के आधार पर सोमवार को उल्वे इलाके में 'हाउसिंग सोसायटी' के एक 'फ्लैट' पर छापा मारा। पनवेल टाउन थाने के अधिकारी ने बताया कि दल ने पश्चिमी अफ्रीका के गिनी के 35 वर्षीय एक निवासी के पास से 412 ग्राम कोकीन जब्त की। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि उसके खिलाफ स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to Magadi road Metro station
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities
Contact : 9844027560

ओला इलेक्ट्रिक ने 50 से अधिक सर्विस सेंटर, 500 तकनीशियन जोड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारत की सबसे बड़ी ई-स्कूटर विनिर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी सेवा में बदलाव लाने और ग्राहकों के बिक्री के बाद के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए देशभर में अपने सर्विस सेंटर की क्षमता में 30 प्रतिशत से अधिक का इजाफा

किया है। सॉफ्टबैंक समूह समर्थित कंपनी की भारत के ई-स्कूटर बाजार में करीब एक-तिहाई हिस्सेदारी है। कंपनी ने 50 से अधिक सर्विस सेंटर जोड़े हैं और परिचालन को सुव्यवस्थित करने तथा सभी लंबित कार्यों को निपटाने के लिए नए व मौजूदा सेवा केंद्रों में 500 से अधिक सेवा तकनीशियनों को नियुक्त किया है।

ओला इलेक्ट्रिक ने सेवा में बदलाव, रणनीति और समग्र सेवा प्रक्रियाओं के अनुकूलन के लिए पेशेवर सेवा कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग को भी साथ लिया है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ केंद्रों पर से लंबित कार्यों की सूचना मिली है क्योंकि मांग उनके कार्यबल से अधिक हो गई है।

आयुष्मान भारत एक 'विफल' योजना : आम आदमी पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) बुधवार को भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस टिप्पणी को लेकर उन पर हमलावर रही कि दिल्ली और पश्चिम बंगाल की सरकारों ने ''राजनीतिक हितों'' के कारण आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू नहीं किया। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने केंद्र की स्वास्थ्य

बीमा योजना को ''विफल'' पहल करार दिया।

मंगलवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा था, मैं दिल्ली और पश्चिम बंगाल में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों से माफी मांगता हूं। मैं आपकी पीड़ा समझता हूं, लेकिन राज्य सरकारों के फैसलों के कारण मैं आपकी मदद नहीं कर सकता। मोदी ने कहा था कि वह पश्चिम बंगाल और दिल्ली में बुजुर्गों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवा की स्थिति से निराश हैं। प्रधानमंत्री ने इसे वरिष्ठ नागरिकों की सेवा करने का अवसर गंवाना बताया था। भारद्वाज ने बुधवार को प्रेसवार्ता के दौरान कहा, आयुष्मान भारत योजना अपनी सीमित पात्रता शर्तों के कारण विफल हो गई है।

ट्रेन में छूटे आभूषण सुरक्षित रूप से मालिक को लौटाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) की पुलिस टीम ने परिश्रम और त्वरित प्रतिक्रिया के एक सराहनीय कार्य करते हुए लगभग 5.4 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषणों से भरा एक बैग सफलतापूर्वक बरामद किया।

यह बैग ट्रेन नंबर 16580 शिवमोग्गा टाउन–यशवंतपुर में एक यात्री का छूट गया था जो टुमकुरु स्टेशन पर उतरा। तुमकुरु चौकी से एक खोए हुए बैग के बारे में सूचना मिलने पर, रेलवे की टीम तुरंत हरकत में आ गई।

बैग यशवंतपुर स्टेशन पर ट्रेन के पिछले जनरल कोच में पाया गया और अधिकारियों द्वारा सावधानीपूर्वक जांच की गई। इसमें 40 ग्राम वजन का एक मंगल सूत्र है जिसकी कीमत लगभग 2,80,000 रुपये है, 20 ग्राम वजन का एक हार जिसकी कीमत 1,40,000 रुपये, 10 ग्राम वजन का एक जोड़ा झुमका जिसकी कीमत 50,000 रुपये, और 10 ग्राम वजन का एक गले का चेन जिसकी कीमत 70,000 रुपये है।

बरामद वस्तुओं की तस्वीरें लेने सहित गहन सत्यापन और दस्तावेज़ीकरण प्रक्रिया के बाद, सभी कानूनी औपचारिकताओं के बाद कीमती सामान उनके असली मालिक को सौंप दिया गया। यात्री ने अपने कीमती सामान को बरामद करने और वापस करने में उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए सतर्क रेलवे कर्मचारियों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने चिकित्सा आधार पर अभिनेता दर्शन को अंतरिम जमानत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेणुकास्वामी हत्या मामले में आरोपी एवं अभिनेता दर्शन थूगुदीपा को राहत देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उन्हें रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन कराने के लिए चिकित्सा आधार पर बुधवार को अंतरिम जमानत दे दी। दर्शन (47) को 11 जून को गिरफ्तार किया गया था और वह अभी बल्लारी जेल में हैं। मामले में उनकी मित्र पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य सह–आरोपी भी हैं। पवित्रा गौड़ा बेंगलूरु की एक जेल में बंद हैं और अन्य आरोपी राज्य की विभिन्न जेलों में हैं जिनमें से कुछ को हाल में जमानत मिली है।

न्यायमूर्ति एस. विश्वजीत शेट्टी की पीठ ने दर्शन को चिकित्सीय उपचार के लिए छह हफ्ते की अंतरिम जमानत दी। अदालत द्वारा लगायी गयी जमानत शर्तों के अनुसार, दर्शन को निचली अदालत के समक्ष अपना पासपोर्ट जमा कराना होगा और वह इस दौरान सबूतों से छेड़छाड़ नहीं करेंगे। अदालत ने कहा कि वह अपनी पसंद के अस्पताल में उपचार करा सकते हैं और उनकी स्वास्थ्य स्थिति, आवश्यक उपचार तथा उपचार के बाद की स्थिति पर एक सप्ताह के भीतर अदालत को एक रिपोर्ट जमा करानी होगी।

अदालत ने अभिनेता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी वी नागेश और सरकारी लोक अभियोजक पी. प्रसन्ना कुमार की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद अंतरिम जमानत याचिका पर मंगलवार को आदेश सुरक्षित रख लिया था। राज्य सरकार ने बल्लारी केंद्रीय कारागार के चिकित्सकों एवं वहां के एक सरकारी अस्पताल में न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख की मेडिकल रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश की थी। सत्र अदालत ने 21 सितंबर को दर्शन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर इलाज के लिए अंतरिम जमानत मांगी। पुलिस के अनुसार, अभिनेता के प्रशंसक रेणुकास्वामी (33) ने उनकी मित्र पवित्रा गौड़ा (सह–आरोपी) को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे नाराज दर्शन ने उसकी कथित तौर पर हत्या कर दी थी। उसका शव नौ जून को यहां सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में एक नाले के पास से बरामद किया गया। चित्रदुर्ग में दर्शन के 'फैन क्लब' का हिस्सा रहा एक आरोपी राघवेंद्र यहां आर आर नगर में अभिनेता से मिलवाने की आड़ में रेणुकास्वामी को लेकर आया था। वहां पर रेणुकास्वामी को कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्ग निवासी रेणुकास्वामी की कई गंभीर चोटों के कारण मौत हो गयी थी। पुलिस ने कहा कि आरोपी संख्या एक पवित्रा रेणुकास्वामी की हत्या की ''प्रमुख वजह'' थी। उसने दावा किया कि जांच से साबित हो गया है कि पवित्रा ने अन्य आरोपियों को भड़काया, उनके साथ साजिश रची और अपराध में भाग लिया।

सरकार जमानत के फैसले का सम्मानपूर्वक 'स्वागत' करती है : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि सरकार हत्या के एक मामले में अभिनेता दर्शन थूगुदीपा को अंतरिम जमानत देने के उच्च न्यायालय के फैसले का 'सम्मानपूर्वक स्वागत' करती है।

उन्होंने एक सवाल पर यहां पत्रकारों से कहा, मैं अदालत के फैसले पर सवाल नहीं उठाऊंगा। सरकार अदालत के फैसले का सम्मानपूर्वक स्वागत करेगी।

रेणुकास्वामी का परिवार बोला- पूरा भरोसा है कि दोषियों को सजा मिलेगी

दावणगेरे। कर्नाटक उच्च न्यायालय से रेणुकास्वामी हत्या मामले में आरोपी दर्शन थूगुदीपा को चिकित्सा आधार पर अंतरिम ज़मानत मिलने के बाद पीड़ित के परिवार ने बुधवार को कहा कि उन्हें न्यायपालिका एवं पुलिस पर पूरा यकीन है तथा दोषियों को दंडित किया जाएगा। रेणुकास्वामी हत्याकांड के आरोपी अभिनेता दर्शन को राहत देते हुए अदालत ने उन्हें रीढ़ की हड्डी की सर्जरी कराने के लिए छह सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी।

रेणुकास्वामी के पिता काशीनाथ शिवनागौदर ने संवाददाताओं से कहा, जमानत कानूनी व्यवस्था के तहत दी गई है, हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। हमें पूरा भरोसा है कि दोषियों को सजा मिलेगी। हमें कानून और पुलिस पर भरोसा है। (दर्शन का) इलाज डॉक्टर, उसका और अदालत का मामला है, हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, हमारे पास कहने के लिए इसके अलावा और कुछ नहीं है कि दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। हमें कानून और न्यायपालिका पर भरोसा है, इसलिए हमें पूरा विश्वास है कि दोषियों को सजा मिलेगी।

रेणुकास्वामी की पत्नी सहाना ने 16 अक्टूबर को एक बच्चे को जन्म दिया है। जब उसके पति की हत्या की गई थी तब वह पांच महीने की गर्भवती थी। दर्शन को 11 जून को गिरफ्तार किया गया था और वह बेल्लारी जेल में बंद है। इस मामले में उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य सह–आरोपी हैं।

छपरा और यशवंतपुर के बीच त्यौहार विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार छठ त्योहार के मद्देनजर, पूर्वोत्तर रेलवे ने अतिरिक्त यात्री मांग को पूरा करने के लिए छपरा और यशवंतपुर स्टेशनों के बीच त्यौहार विशेष ट्रेनों के संचालन करने जा रही है। ट्रेन संख्या 05185 छपरा–यशवंतपुर त्यौहार विशेष एक्सप्रेस शनिवार 2 और 9 नवंबर को सुबह 5:30 बजे छपरा से रवाना होगी और सोमवार को सुबह 10:30 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 05186 यशवंतपुर–छपरा त्यौहार विशेष एक्सप्रेस सोमवार 4 और 11 नवंबर को रात 10:40 बजे यशवंतपुर से रवाना होगी और बुधवार को रात 11:55 बजे छपरा पहुंचेगी। ट्रेन दोनों दिशाओं में मसरख, दिघवा दुबौली, थावे जं., पडरौना, कप्तानगंज जं., गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर जं., गोंडा जे. बारा बांकी जं., बादशाहनगर, ऐशबाग, कानपुर सेंट्रल जं., उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जंक्शन, भोपाल जं., इटारसी जं., नागपुर, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, काजीपेट जं., काचीगुडा, कुरनूल शहर, अनंतपुर और धर्मावरम स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में 22 कोच होंगे, जिनमें एसी–3 टियर इकोनॉमी (12), स्लीपर क्लास (4), सेकेंड क्लास चेयर कार कोच (4), ब्रेक, लगेज कम जेनरेटर कार (1), सेकेंड क्लास कम लगेज और दिव्यांग फ्रेंडली कम्पार्टमेंट वाली ब्रेक वैन (1) शामिल हैं।

मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर में 106वां शरक़त दिवस समारोह मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर, बेलगावी के सैनिकों ने 29 अक्टूबर को 106वां शरक़त दिवस' मनाया। इस वार्षिक कार्यक्रम में 114 मराठा के उन बहादुर सैनिकों को याद किया जाता है, जिन्होंने साल 1918 के मेसोपोटामिया अभियान में बलिदान दिया था।

उन सैनिकों ने वीरता, साहस और बलिदान से अमर विरासत बनाई थी, जिसके लिए बटालियन को प्रतिष्ठित युद्ध सम्मान 'शरक़त' से सम्मानित किया गया था।

सेंटर के शरक़त युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया, जहां मराठा एलआईआरसी के कमांडेंट ब्रिगेडियर जॉयदीप मुखर्जी ने वरिष्ठ अधिकारियों और सैनिकों के साथ उन वीरों को नमन किया, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम उन योद्धाओं के प्रति सम्मान और स्मरण का प्रतीक है, जिन्होंने अपने साहस से मराठा लाइट इन्फैंट्री की विरासत को नए आयाम दिए।

इस अवसर पर विशेष सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जहां प्रशिक्षण बटालियन को शरक़त बैनर प्रदान किया गया, जो उत्कृष्टता और शानदार प्रदर्शन का प्रतीक होता है।

इस दौरान एक 'बड़ा खाना' भी आयोजित किया गया, जिससे सौहार्द को मजबूत करने और अनुभवों को साझा करने का अवसर मिला। इस आयोजन ने रेजिमेंट के साथ जुड़ाव को और मजबूत किया। साथ ही, अपनी विरासत को लेकर साझा गर्व तथा कर्तव्य के संबंध में प्रतिबद्धता और ज्यादा दृढ़ हुई।

सामाजिक कार्यकर्ता अब्राहम ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मानहानि का वाद दायर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अधिवक्ता–कार्यकर्ता टी.जे. अब्राहम ने बुधवार को कहा कि उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ यहां एक विशेष अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर किया है, क्योंकि सिद्दरामय्या ने उन्हें कथित तौर पर 'ब्लैकमेलर' कहा था।

अब्राहम उन शिकायतकर्ताओं में से हैं, जिन्होंने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) से जुड़े कथित घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच की अनुमति देने का आग्रह किया था।

अब्राहम ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''सिद्दरामय्या ने मुझसे बदला लेने के लिए कुछ सार्वजनिक बयान दिए। उन्होंने मुझे ब्लैकमेलर और बुरे अतीत वाला व्यक्ति कहा।'' उन्होंने कहा, आपने (सिद्दरामय्या) फर्जी और अवैध दावा करके 14 भूखंड लिए हैं और मुझे ब्लैकमेलर कहते हैं। मैंने आपके खिलाफ मानहानि का मुकदमा किया है। देखते हैं आप कैसे बचेंगे।

सिद्दरामय्या एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को 14 भूखंडों का आवंटन किए जाने में अनियमितता के आरोपों का सामना कर रहे हैं। यह आरोप लगाया गया है कि मैसुरु के एक सभ्रांत इलाके में पार्वती को 14 ऐसे स्थल आवंटित किए गए थे, जिनका मूल्य उस भूमि की तुलना में अधिक है जिसे एमयूडीए ने ''अधिग्रहित'' किया था। एमूयडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे।

विवादास्पद योजना के तहत एमयूडीए ने आवासीय परिसर बनाने के लिए भूखंड छोड़ने वालों को उनसे ली गई अविकसित भूमि के बदले में 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित की थी।

रोशनी

बुधवार को बेंगलूरु में कन्नड़ राज्योत्सव के लिए रंग बिरंगे रंगों की रोशनी में सजा बृहद् बेंगलूरु महानगर पालिका का मुख्यालय।

भाजपा सांसद ने जेपीसी अध्यक्ष से भूमि विवाद पर चर्चा के लिए किसानों को आमंत्रित करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल से अनुरोध किया कि वह कर्नाटक के विजयपुरा जिले के किसानों को वक्फ बोर्ड के साथ उनके भूमि विवादों पर चर्चा करने के लिए गवाह के रूप में आमंत्रित करें।

बेंगलूरु दक्षिण से लोकसभा सदस्य तेजस्वी ने जिले और आसपास के अन्य क्षेत्रों के किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी हाल की बैठक का जिक्र किया। तेजस्वी संयुक्त संसदीय समिति के सदस्य भी हैं।

उन्होंने पाल को लिखे अपने पत्र में आरोप लगाया, लगभग एक सदी से अपनी जमीनों पर खेती कर रहे इन किसानों के पास 1920 और 1930 के दशक के रिकॉर्ड मौजूद हैं। हाल के महीनों में कई किसानों को बिना किसी सबूत या स्पष्टीकरण के उनकी जमीनों को वक्फ संपत्ति घोषित करने के नोटिस दिए गए हैं। इन दावों का पैमाना काफी बड़ा है। अकेले उनके गांव में ही लगभग 1,500 एकड़ जमीन वक्फ संपत्ति के रूप में नामित की गई है।

सांसद के अनुसार, किसानों ने दावा किया कि नोटिस भेजे जाने के अलावा कुछ भूमि खंडों के लिए आरटीसी (अधिकार, किरायेदारी और फसल का रिकॉर्ड), भूमि अभिलेख ('पहानी') और दाखिल खारिज के पंजीकरण में कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना बदलाव किए गए हैं।

तेजस्वी ने पत्र में कहा कि इसलिए मैं अनुरोध करता हूं कि आप (जगदंबिका पाल) प्रभावित किसानों के प्रतिनिधिमंडल को समिति के समक्ष गवाह के रूप में पेश होने के लिए आमंत्रित करें। तेजस्वी के मुताबिक, उनकी गवाही प्रस्तावित संशोधनों के स्थानीय निहितार्थों और इस संबंध में कृषक समुदाय के सामने आने वाले दबावपूर्ण मुद्दों के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करेगी। तेजस्वी ने पाल से कर्नाटक के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और शिकायतें प्राप्त करने व वक्फ बोर्ड की कार्रवाई से प्रतिकूल रूप से प्रभावित किसानों के साथ सार्वजनिक सुनवाई करने का भी अनुरोध किया।

विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग ने यह आरोप लगाया था कि उनकी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है, जिसके बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि उनमें से किसी को भी बेदखल नहीं किया जाएगा तथा उन्हें जारी किए गए नोटिस वापस ले लिए जाएंगे।

कर्नाटक के वन मंत्री खांडरे ने एचएमटी की जमीन पर अवैध रूप से प्रवेश किया : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने भारी उद्योग मंत्रालय के

तहत आने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम एचएमटी की जमीन पर अवैध रूप से प्रवेश किया है। खांडरे ने मंगलवार को संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करें जिन्होंने यहां वन भूमि में पेड़ों की कटाई की अनुमति दी थी, जहां कन्नड़ फिल्म 'टॉक्सिक' की शूटिंग के लिए सेट बनाया गया था। उन्होंने स्थल का निरीक्षण भी किया।

केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी ने संवाददाताओं को बताया, ''एचएमटी की जमीन पर (खांडरे द्वारा) अवैध रूप से प्रवेश किया गया है। हमने (पहले) इससे संबंधित (जमीन के स्वामित्व को लेकर) मुकदमा दायर किया था और हम अदालत के निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। हम कानूनी रूप से इसका मुकाबला करेंगे लेकिन हम प्रचार के लिए इस मुद्दे को नहीं उठाएंगे।'' वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को मंगलवार को लिखे एक नोट में खांडरे ने कहा कि बेंगलूरु के पीन्या बागान–1 और बागान–2 में कुल 599 एकड़ आरक्षित वन भूमि राजपत्रित है, जिसे 1960 के दशक में बिना अधिसूचना जारी किए अवैध रूप से एचएमटी को सौंप दिया गया था।

ब्रिटेन के महाराज चार्ल्स का बेंगलुरू का तीन दिवसीय निजी दौरा संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ब्रिटेन के महाराज चार्ल्स यहां बेंगलुरु में अपनी निजी यात्रा पर आए और 'व्हाइटफील्ड' के पास एक एकीकृत चिकित्सा सुविधा केंद्र में ठहरे थे। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उनके साथ महारानी कैमिला भी यहां पहुंची थी। एक अधिकारी ने बताया कि दंपति जहां अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान ठहरे हुए थे, वह समग्र स्वास्थ्य केंद्र योग और ध्यान सत्रों तथा उपचारों सहित कायाकल्प उपचार के लिए प्रसिद्ध है। अधिकारी ने कहा दंपति पहले भी कई बार इस चिकित्सा सुविधा में रह चुके हैं और उन्होंने आयुर्वेद तथा प्राकृतिक चिकित्सा सहित विभिन्न स्वास्थ्य उपचार लिए हैं। उनकी सुबह की दिनचर्या में योग सत्र शामिल था।उन्होंने कहा, उन्होंने यहां विभिन्न स्वास्थ्य उपचारों के तहत विशेष आहार लिया। उन्होंने कायाकल्प उपचार लिया, जिसमें ध्यान और चिकित्सा भी शामिल थी।

अधिकारी ने कहा, उन्होंने 30 एकड़ के परिसर में लंबी सैर का आनंद लिया और जैविक खेतों में भी सैर पर गए। अधिकारी ने कहा, वे तीन दिनों तक वहां रहे और बुधवार की सुबह शहर से चले गए।

'व्हाइटफील्ड' के पास समेथनहल्ली में स्थित अंतरराष्ट्रीय समग्र केंद्र सौक्या' में यह महाराज की पहली यात्रा नहीं है। उन्होंने 2019 में अपना 71वां जन्मदिन यहीं मनाया था।

इस केंद्र का संचालन डॉ. इसाक मथाई करते हैं, जो भारत के उन कुछ लोगों में से हैं जिन्हें ब्रिटेन के महाराज के रूप में चार्ल्स के राज्याभिषेक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। कैंसर से पीड़ित चार्ल्स पिछले कई सालों से आयुर्वेद के मुखर समर्थक रहे हैं। अप्रैल 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान चार्ल्स उनके साथ लंदन के 'साइंस म्यूजियम' में एक नए 'आयुर्वेदिक उत्कृष्टता केंद्र' के उद्घाटन के लिए शामिल हुए थे, जिसका उद्देश्य योग और आयुर्वेद पर साक्ष्य–आधारित शोध के लिए अपनी तरह का पहला वैश्विक नेटवर्क बनाना था।

3एफ ऑयल पाम ने कर्नाटक सरकार के साथ किया समझौता

बेंगलूरु/मुंबई। ग्रामीण समुदायों में टिकाऊ कृषि को आगे बढ़ाने के लिए '3एफ ऑयल पाम' ने कर्नाटक सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बयान के अनुसार, यह साझेदारी किसानों को उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा आवश्यक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करेगी। इससे उत्पादकता बढ़ेगी और कर्नाटक के बढ़ते बागवानी क्षेत्र को समर्थन मिलेगा। 3एफ ऑयल पाम के प्रमुख (कृषि) श्रीनिवासराव किलारि ने कहा, ''यह समझौता ज्ञापन एक बड़ी उपलब्धि है, जो स्थानीय किसान समुदायों के उत्थान के हमारे मिशन से जुड़ा है। साथ ही टिकाऊ तेल पाम खेती के लिए नए मानक स्थापित करता है। हम कर्नाटक बागवानी विभाग का उनके महत्वपूर्ण सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हैं।'

पटाखा हादसा : मंगलूरु में 26 लोगों का इलाज जारी

मंगलूरु। केरल के नीलेश्वरम में पटाखों में विस्फोट की घटना में झुलसे 26 लोगों को यहां अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, सभी 26 मरीजों का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है और उनमें से तीन 'बर्न इंटेंसिव केयर यूनिट' में हैं। ये सभी केरल के कासरगोड और कन्नूर जिले से हैं। इनमें से तीन बच्चे हैं और उनकी उम्र सात वर्ष है। बच्चों को बाल चिकित्सा आईसीयू में भर्ती कराया गया है और तीनों गंभीर रूप से झुलसे हैं।

आठ मरीज 40–70 वर्ष की आयु वर्ग के हैं और इनमें सबसे बुजुर्ग कन्नूर जिले के भारतन हैं जो 76 वर्ष के हैं तथा उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रदेश सरकार वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कृत संकल्पित : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने बुधवार को जोधपुर सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को त्वरित आवश्यक कार्यवाही कर आमजन राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के निराकरण के साथ ही जन कल्याण और सामुदायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इन प्रयासों में कहीं कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा इनके बारे में संबंधित अधिकारियों से एक्शन टेकन रिपोर्ट की जानकारी लेते हुए उनके संतोषपूर्ण एवं त्वरित समाधान के लिए व्यापक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

पटेल ने कहा कि जनता तथा क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के प्रति अधिकारी गंभीरता बरतें तथा जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए सुशासन से परिपूर्ण राज-काज का आदर्श प्रस्तुत करें। इसके लिए विभागीय स्तर पर जन समस्याओं के निस्तारण की आरंभिक पहल करें ताकि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द हो सके और इसके लिए उन्हें किसी प्रकार की देरी का सामना न करना पड़े। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा कि बुनियादी लोक सेवाओं तथा जन सुविधाओं की नियमित एवं निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना विभागीय अधिकारियों का दायित्व है जिसे उन्हे पूरी संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करना चाहिए जिससे सुशासन के संकल्प को साकार किया जा सके। आमजन की समस्याओं को तसल्ली से सुनते हुए उन्होंने विश्वास दिलाया कि समस्याओं का यथोचित समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

अगले कुछ दिन मौसम साफ रहने का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में आगामी कुछ दिन मौसम साफ और शुष्क रहने का अनुमान है जहां कई इलाकों में अब भी दिन का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक बना हुआ है। मौसम केंद्र (जयपुर) के अनुसार बुधवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। इस दौरान सर्वाधिक तापमान चूरू में 39.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा भी यह फतेहपुर में 39.6 डिग्री, बाड़मेर एवं जैसलमेर में 39.4 डिग्री, बीकानेर में 39.3 डिग्री, पिलानी में 38.8 डिग्री, जालोर में 38.6 डिग्री, गंगानगर में 38.2 डिग्री, जोधपुर में 38.1 डिग्री, फलोदी में 37.8 डिग्री, अजमेर में 37.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

मुलाकात

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री को प्रकाशोत्सव के पावन पर्व दीपावली की शुभकामनाएं दी। साथ ही, इस अवसर पर देशवासियों की खुशहाली की कामना भी की।

जेएलएन को आदर्श अस्पताल बनाने के लिए होंगे हरसंभव प्रयास : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय (जेएलएन) को 'आदर्श अस्पताल' बनाने के लिये हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में अस्पताल में 76 करोड़ रुपये से नये निर्माण कराये जायेंगे। देवनानी आज अजमेर में अस्पताल दौरे के दौरान पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में यहां ' कैंसर सर्जरी' सम्भव हो सकेगी । साथ ही पीडियाट्रिक्स एवं नियोनेटोलाजी के अलावा क्रिटिकल केयर ब्लॉक पर क्रमशः 53 करोड़ तथा 23.75 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निरोगी भारत के सपने को साकार करने की दिशा में अजमेर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम तेजी से विकास के पथ पर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा यह तो वर्तमान बजट से है, अभी आगे चार बजट में बहुत कुछ लाना है। अजमेर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में अन्य विभागों को लाने के प्रयास चल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भविष्य अजमेर संभाग के मरीजों को जयपुर एस.एम.एस. नहीं जाना पड़े, इसके लिये सभी चिकित्सा सुविधायें यही जुटाने के प्रयास किये जा रहे हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में अजमेर पीछे न रहे इसके लिये आयुर्वेद चिकित्सा विश्वविद्यालय भी खुलने जा रहा है। साथ ही पुष्कर रोड स्थित आयुर्वेद रसायन परिसर में पंचकर्म चिकित्सा शुरू की जा रही है। इस मौके पर मेडिकल कालेज प्राचार्य डॉ अनिल समरिया, मीडिया प्रभारी डॉ अमित यादव भी मौजूद रहे।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने लॉन्च किए खेल और युवा विकास के लिए विशेष पोर्टल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। युवा मामले एवं खेल विभाग मंत्री एवं झोटवाड़ा के भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश में खेल और युवा सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों को नया आयाम देते हुए राज्य में तीन महत्वपूर्ण पोर्टल लॉन्च किए हैं। इसमें खिलाड़ियों को एकल-विंडो सुविधा उपलब्ध होगी। ये पोर्टल राजस्थान के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए आधुनिक और सहज तकनीकी सुविधा प्रदान करेंगे, जिससे उन्हें अपनी क्षमताओं को निखारने का बेहतर अवसर मिलेगा। इनमें युवा महोत्सव रजिस्ट्रेशन पोर्टल, राजस्थान यूथ आईकॉन अवॉर्ड पोर्टल और डिजिटल रिपॉजिटरी पोर्टल शामिल हैं। ये पोर्टल ब्लॉक, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर युवा महोत्सव में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देंगे और उनके खेल प्रमाण पत्रों को डिजिटल माध्यम से सुरक्षित रखने की सुविधा प्रदान करेंगे। यह सुविधा खिलाड़ियों को अपने सभी प्रमाण पत्रों को सुरक्षित और सहज रूप में संग्रहित करने का अवसर देगी, जिससे उन्हें भौतिक प्रमाणपत्रों की सुरक्षा की चिंता से मुक्त किया जा सकेगा। कर्नल राज्यवर्धन ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व में आज राजस्थान समेत पूरे देश में खेल और युवा सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। ये पोर्टल युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए एक मील का पत्थर साबित होंगे।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहाकि राजस्थान यूथ आइकॉन अवॉर्ड पोर्टल के माध्यम से, 15-29 वर्ष के आयु वर्ग के उन युवाओं को पुरस्कार दिया जाएगा जिन्होंने, कला-संस्कृति, सामाजिक कार्य, विज्ञान-तकनीकी, नवाचार, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में विशेष योगदान दिया है। इस पहल से न केवल युवाओं की उपलब्धियों को मान्यता मिलेगी, बल्कि उनके योगदान से समाज भी प्रेरित होगा।

करौली जिले में मिले उत्तर प्रदेश के एक दंपति के शव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के करौली जिले में एक दंपति के शव एक कार में मिले हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसका कहना है कि यह दंपति आगरा के एक गांव के रहने वाले थे और उनके शवों पर गोली के निशान हैं। करौली के पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम ने बताया कि मासलपुर थानाक्षेत्र में भोजपुर गांव के पास विकास और उसकी पत्नी दीक्षा के शव कार में मिले।

उनके अनुसार दोनों आगरा (उत्तर प्रदेश) के एक गांव के रहने वाले थे। शुभम ने बताया कि दीक्षा की हत्या कार की पिछली सीट पर की गई, जबकि विकास का शव अगली सीट पर था। कार में कोई हथियार बरामद नहीं हुआ। संदेह है कि घटना के समय उनके साथ कोई और व्यक्ति भी था। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया, ''वे (दोनों) कल आगरा में अपने घर से कैला देवी मंदिर जाने के लिए निकले थे। वे करौली में कैला देवी मंदिर गए और आगरा की ओर लौट रहे थे। कुछ ग्रामीणों ने बुधवार सुबह कार में शव देखे तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया।'' उन्होंने बताया कि (हत्या की) यह घटना कल देर रात हुई। मामले की जांच की जा रही है।

जयपुर में 47 ग्राम कोकीन के साथ 5 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पुलिस आयुक्तालय जयपुर द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत जयपुर पूर्व क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए व्यापक कार्यवाही की जा रही है। जयपुर पूर्व की पुलिस उपायुक्त तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस आयुक्त के निर्देशों पर जिला विशेष टीम (डीएसटी) और रामनगरिया थाने की टीम ने संयुक्त अभियान में इस कार्यवाही को अंजाम दिया।

29 अक्टूबर को डीएसटी टीम ने रामनगरिया थाना प्रभारी को श्याम रेजिडेंसी के फ्लैट नंबर एस-02 में रहने वाले विदेशी नागरिकों के पास अवैध कोकीन की मौजूदगी की सूचना दी। कार्रवाई के दौरान फ्लैट से 47 ग्राम कोकीन बरामद की गई, जिसे छोटे-छोटे पैकेट्स में बेचने के लिए पैक किया जा रहा था। पुलिस ने फ्लैट में रहने वाली तीन विदेशी महिलाओं और दो पुरुषों को हिरासत में लिया। इनके कब्जे से मादक पदार्थ को तौलने के लिए इलेक्ट्रिक कांटा और पैकेजिंग के लिए प्लास्टिक थैलियां भी बरामद हुईं। जांच में पाया गया कि ये आरोपी युवाओं के बीच कोकीन की सप्लाई के लिए इसे कॉलेजों और ठेलों के पास बेचते थे।

डीएसटी टीम की इस कार्रवाई में विदेशी नागरिकों के संगठित गिरोह का पर्दाफाश हुआ है, जो थोक में कोकीन खरीदकर छोटे पैकेट्स में पैक कर स्थानीय बाजार में बेचते थे। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह के सप्लाई चैन और स्रोत का विस्तृत अनुसंधान जारी है।

बजरी से भरे ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत के बाद हंगामा, ग्रामीणों ने सड़क पर लगाया जाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। अलवर शहर के एमआईए थाना अंतर्गत ग्राम मदनपुरा में कल दोपहर को एक ट्रैक्टर से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम थाना पुलिस ने जिला अस्पताल में करवाया। इस घटन को लेकर ग्रामीणों ने मदनपुरा के मुख्य चौराहे पर हंगामा खड़ा कर दिया और साथ ही जाम लगा दिया। गांव के पूर्व सरपंच हरदयाल चौधरी ने बताया मृतक अनिल चौधरी उम्र 22 वर्ष निवासी केरवा जाट का रहने वाला था, जो कल इसी रास्ते से अपने गांव जा रहा था। तभी मदनपुरा से निकलते समय एक तेज रफ्तार में एक ट्रैक्टर आया और उसको टक्कर मार दी। हादसे में वो गंभीर रूप से घायल हो गया। उसको इलाज के लिए अलवर के जिला अस्पताल में लाया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने इस बात से आक्रोशित होकर रोड जाम कर दिया। इस मामले के बाद पूर्व सरपंच ने बताया कि हमारी मुख्य मांग है कि रास्ते में जो अतिक्रमण हो रहा है। इसको हटाया जाए और स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं, ताकि इस वजह से हादसे में कमी आए और अवैध रूप से चल रहे अवैध खनन के वाहनों पर रोक लगाई जाए। इस पूरे मामले में थाने के एएसआई महेश चंद ने बताया थाने पर सूचना मिली थी कि मदनपुरा ग्राम में ग्रामीणों ने जाम लगा रखा है। इस सूचना पर मौके पर आए हैं उनसे समझाईश की गई है। ग्रामीणों को समझा कर जाम को खुलवाया गया है और पुलिस ट्रैक्टर चालक की तलाश कर रही है। यह पूरा मामला अवैध खनन से जुड़ा हुआ है, जिस ट्रैक्टर ने युवक को टक्कर मारी उसमें बजरी भारी हुई थी। अवैध खनन से जुड़े ये वाहन बेतरतीब तरीके से चलते हैं और इनसे आये दिन हादसे होते रहते हैं। इस पूरे मामले की पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। और उस ट्रैक्टर चालक को तलाश कर रही है, जो घटना के बाद मौके से फरार हो गया था।

मुलाकात

बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मुंबई से जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आगंतुकों से मुलाकात करते हुए।

तीर्थ नगरी पुष्कर में चौदस पर विदेशी महिलाओं ने किया सोलह श्रृंगार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुष्कर । दिवाली से एक दिन पहले नरक चतुर्दशी पर तीर्थ नगरी पुष्कर में विदेशी महिलाओं ने सोलह श्रृंगार किया। छोटी दिवाली को नरक चौदस के नाम से भी जाना जाता है। राजस्थान में इस दिन महिलाएं खूब सजती संवरती हैं। तीर्थ नगरी पुष्कर में चौदस को विदेशी महिलाओं ने धूमधाम से मनाया। विदेशी बालाओं ने भारतीय संस्कृति के अनुसार खुद को संवारा। दिवाली पर्व से एक दिन पहले आने वाली चतुर्दशी को सुहागन महिलाएं अपने रूप को निखारने के जतन करती हैं।

ब्यूटीशियन से अपना मेकअप कराने आई डेनमार्क की पर्यटक टीना ने बताया, मैं 10 सालों से भारत की यात्रा पर आ रही हूं। खुशी है कि आज इस पर्व का हिस्सा बनने का अवसर मिला है। आगे कहा कि वह दिवाली के मौके पर पहली बार भारत आई हूं और चतुर्दशी के मौके पर भारतीय परिधान पहनकर इतराती दिखीं। उन्होंने कहा कि यह अनुभव बेहद ही खास है। मैं इस पल को हमेशा याद रखूंगी। वहीं मेकअप कराने आई एक अन्य विदेशी महिला ने बताया कि वह साल 2014 से हर साल नॉर्वे से भारत घूमने आती है। उन्होंने कहा कि मुझे भारतीय महिलाओं का परिधान बेहद आकर्षित करता है। इसी के चलते रूप चतुर्दशी पर उन्होंने भी भारत की परंपरा को धारण करने की ठानी ।

वहीं विदेशी महिलाओं का मेकअप करने वाली ब्यूटीशियन ने बताया कि वह पुष्कर में पिछले 20 साल से विदेशी महिलाओं को भारतीय संस्कृति से रूबरू करा रही हैं।

जयपुर में दिवाली की पूर्व संध्या पर लोग एक दुकान पर पटाखे खरीदते हुए।

अभियंताओं ने बालिका गृह गांधीनगर की बालिकाओं के साथ बांटी दीपावली की खुशियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर विद्युत वितरण निगम के अभियंताओं ने एक अनूठी पहल करते हुए गांधीनगर स्थित राजकीय बालिका गृह में रह रही बालिकाओं के साथ बुधवार को दीपावली की खुशियां बांटी। डिस्कॉम अभियंताओं ने इन मासूम बालिकाओं को दीपोत्सव की बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उपहार स्वरूप उन्हें स्कूल बैग, पुस्तकें एवं पाठ्य सामग्री वितरित की। अभियंताओं द्वारा गुरुवार को इन बालिकाओं को मिठाई भी वितरित की जाएगी ताकि पारिवारिक खुशियों के इस त्यौहार को यह बालिकाएं उल्लास के साथ मना सकें। बालिकाओं ने धार्मिक भजनों पर आकर्षक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर डिस्कॉम के मुख्य अभियंता जयपुर जोन आर. के. जीनवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता पीपीएम आरके शर्मा, अधीक्षण अभियंता लोकेश जैन और अशोक रावत सहित अन्य अभियंताओं ने बालिकाओं को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

अयोध्या का परिवर्तन 'डबल इंजन सरकार द्वारा अपने वादे को पूरा करने' का प्रमाण है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि अयोध्या का परिवर्तन ''डबल इंजन सरकार द्वारा अपने वादे को पूरा करने'' का प्रमाण है तथा काशी और मथुरा में भी इसी तरह का परिवर्तन होना चाहिए।

इस साल की शुरुआत में 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद से आठवें दीपोत्सव में भाग लेते हुए आदित्यनाथ ने कहा, यह एक पहला ऐतिहासिक अवसर है क्योंकि 500 वर्षों के बाद भगवान राम अब दिवाली के लिए अयोध्या में अपने निवास में हैं। यह तो बस शुरुआत है और इस शुरुआत को अपने तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचना है। इसलिए 2047 तक जब देश अपनी आजादी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाएगा, तो काशी और मथुरा को भी अयोध्या की तरह चमकना चाहिए। उन्होंने कहा, डबल इंजन सरकार ने अपना वादा (राम मंदिर का निर्माण) पूरा किया है और अब अयोध्या को खुद को साबित करने की बारी है। याद रखिए, मां सीता की यह अग्निपरीक्षा बार-बार नहीं होनी चाहिए। हमें इससे बाहर आना होगा.. अयोध्या के लोगों को एक बार फिर (इसके लिए) आगे आना होगा। यही कारण है कि हम आज इस भव्य समारोह के लिए यहां हैं।

मुख्यमंत्री ने सरकार के विकास एजेंडे में ''बाधा बनने'' के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि माफियाओं की तरह इन बाधाओं को भी समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या का परिवर्तन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सनातन धर्म की विरासत के विकास और उन्हें वैश्विक मंच पर ले जाने के दृष्टिकोण का हिस्सा था। उन्होंने कहा, इस साल 22 जनवरी को, 500 साल के इंतजार के बाद, भगवान राम लला एक बार फिर अपने जन्मस्थान पर विराजमान हुए, जिससे दुनिया को यह संदेश मिला कि किसी को भी अपने रास्ते से कभी नहीं भटकना चाहिए क्योंकि यह दृष्टिकोण निश्चित रूप से सफलता की ओर ले जाएगा। उन्होंने कहा कि यह उन सभी आत्माओं को याद करने का क्षण है जिन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था।

आदित्यनाथ ने कहा, मैं इस अवसर पर उन सभी संतों को और अनगिनत शहीदों को नमन करता हूं - जिनकी संख्या लगभग 3,50,000 है - जिन्होंने इस दुनिया से जाते समय एक ही इच्छा के साथ अपने प्राणों की आहुति दी: चाहे जो भी कीमत चुकानी पड़े, अयोध्या की धरती पर भगवान राम का मंदिर बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिज्ञा पूरी हुई है तथा अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है एवं रामलला अयोध्या धाम में विराजमान हो गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह दीपोत्सव रामलला के फिर से विराजमान होने के बाद पहला है। पहले हम कहते थे, हम जो वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं। यह डबल इंजन वाली सरकार बिल्कुल वैसा ही करती है। अकेले अयोध्या के लिए - जहां 2017 से पहले नियमित बिजली नहीं थी - 31,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं या तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अभी बहुत कुछ करना बाकी है। यह तो बस शुरुआत है। उन्होंने कहा कि आज काशी (वाराणसी) चमक रही है और दुनिया उसकी भव्यता एवं दिव्यता को देख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अयोध्या को दुनिया के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

अयोध्या में दिख रहा त्रेता युग का नजारा : संत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में इस साल के प्रारंभ में नवनिर्मित भव्य मंदिर में भगवान श्री रामलला के विराजमान होने के बाद बुधवार को आयोजित हो रहे पहले दीपोत्सव समारोह को लेकर राम नगरी के संतों और भक्तों के बीच खासा उत्साह है।

अयोध्या के दशरथ महल के महंत बिंदु गद्याचार्य स्वामी देवेंद्र प्रसादाचार्य ने दीपोत्सव को सनातन धर्म की विरासत बताया। उन्होंने कहा, दीपावली और दीपोत्सव सनातन धर्म की नींव हैं और इस साल का दीपोत्सव खास है क्योंकि भगवान श्री राम अयोध्या मंदिर में अपने निवास पर लौट आए हैं। यह उत्सव भगवान श्री राम के प्रति हमारी आस्था और भक्ति को व्यक्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

संतों का मानना है कि अयोध्या नगरी एक बार फिर त्रेतायुग के दृश्य को प्रतिबिंबित करती है।

संत समुदाय ने श्री रामलला के अभिषेक के दिव्य अवसर को सरकार के समर्पित प्रयासों का परिणाम बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया है और इससे पूरा संत समुदाय हर्षोल्लास से भर गया है।

चौभुजी मंदिर के महंत बृजमोहन दास महाराज ने स्वरचित छंदों के जरिये अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि श्री रामलला की उपस्थिति पर केवल संतों को ही नहीं बल्कि पूरी अयोध्या को गर्व है। उन्होंने कहा कि लोग अपनी श्रद्धा में एकजुट होकर अपार उत्साह के साथ इस दीपोत्सव को मना रहे हैं।

बधाई भवन मंदिर के महंत राजीव लोचन शरण महाराज ने कहा, त्रेता युग के दौरान भगवान राम के अयोध्या आगमन पर देखा गया दिव्य दृश्य आज हमारे सामने फिर से प्रकट हुआ है। हम इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनकर अत्यंत प्रसन्न हैं और पूरे उत्साह के साथ दीपोत्सव में भाग ले रहे हैं।

सुरक्षा, सुविधा और सुव्यवस्था का वैश्विक मानक बनेगा प्रयागराज महाकुंभ : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि बारह वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित होने जा रहा प्रयागराज महाकुंभ सुरक्षा, सुविधा और सुव्यवस्था का वैश्विक मानक बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यहां प्रयागराज महाकुंभ, अयोध्या धाम विकास तथा नैमिषारण्य धाम में पर्यटन विकास के संबंध में जारी और प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा की। इस बैठक में प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री के अतिरिक्त, केन्द्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा, 12 वर्षों के अंतराल के उपरांत आयोजित होने जा रहा प्रयागराज महाकुंभ अब तक के सभी कुंभ पर्वों के सापेक्ष कहीं अधिक दिव्य और भव्य होगा। मानवता की यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पूरी दुनिया को सनातन भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा, विविधतापूर्ण सामाजिक परिवेश और लोक आस्था का साक्षात्कार कराएगी। उन्होंने हनुमान मंदिर कॉरिडोर, अक्षयवट पातालपुरी, सरस्वती कूप, भारद्वाज आश्रम, द्वादश माधव मंदिर, शिवालय पार्क, दशाश्वमेध मंदिर, नागवासुकी मंदिर जैसे पवित्र स्थलों में पर्यटन विकास से संबंधित जारी कार्यों से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सभी कार्य प्रत्येक दशा में 30 नवंबर तक पूरे कर लिए जाएं।

डिजिटल चुनौतियों से समूचे भारत में लाखों पेंशनभोगी प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेंशन परिषद और मजदूर किसान शक्ति संगठन (एमकेएसएस) ने कहा कि डिजिटल चुनौतियों से समूचे भारत में लाखों पेंशनभोगी प्रभावित हो रहे हैं।

एमकेएसएस ने सम्मेलन में कहा, राजस्थान के पेंशनभोगियों को 500-750 रुपए मासिक पेंशन मिल रही थी, लेकिन पिछले दो वर्ष से उन्हें कोई पैसा नहीं मिला है। यह ऐसे में और चिंताजनक है जब पेंशन की राशि बढ़ाकर 1,000 रुपए कर दी गई है। बयान में कहा गया है कि, पेंशन परिषद ने प्रभावित पेंशनभोगियों की टिप्पणियां साझा कीं जिनमें बुजुर्ग, दिव्यांग और विधवाएं शामिल हैं। इन्हें विभिन्न प्रशासनिक और डिजिटल बाधाओं के कारण पेंशन नहीं मिल पा रही हैं। इसमें कहा गया, उल्लेखित मुद्दों में मृत्यु संबंधी गलत घोषणा, बेमेल डेटा, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण विफलताएं और आधार आईडी हासिल करने में चुनौतियां शामिल हैं। पेंशन परिषद एवं एमकेएसएस के निखिल डे ने पेंशनभोगियों के सामने उनकी आयु, विकलांगता या अन्य संवेदनशीलताओं के कारण उनकी बढ़ती हुई उपेक्षा को रेखांकित किया और सरकार के दृष्टिकोण को असंवेदनशील तथा उपेक्षापूर्ण करार दिया।

भारत अपनी सबसे अनिश्चित और कठिन आर्थिक स्थिति से गुजर रहा : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि देश में वेतन में स्थिरता, असमानता और महंगाई के कारण 'मंदी' की स्थिति है तथा भारत कई वर्षों में अपने सबसे अनिश्चित और कठिन आर्थिक हालात से गुजर रहा है।

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, पिछले तीन दशकों से भारत की विकास गाथा उपभोग में वृद्धि की कहानी थी। करोड़ों परिवारों के गरीबी से निकलकर मध्यम वर्ग में प्रवेश करने की कहानी, जो नए उत्पाद खरीदने और संपत्ति बनाने में सक्षम थे। यह एक संपन्न अर्थव्यवस्था का संकेत था, जो तेज़ी से बढ़ रही थी और जो अपने लाभ को व्यापक रूप से वितरित कर रही थी। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में देश में उपभोग की कहानी अब उल्टा घूम गई है और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरी है। रमेश ने कहा, भारत का कारोबारी समुदाय भी अब इसी सुर में सुर मिला रहा है, एक प्रमुख सीईओ ने यहां तक कह दिया है कि भारत में मध्यम वर्ग सिकुड़ रहा है। वेतन में स्थिरता, महंगाई और असमानता के कारण यह 'मंदी' की स्थिति है। कांग्रेस नेता ने कहा, हाल ही में जारी उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण 2022-2023 जैसे सरकार के आधिकारिक आंकड़ों सहित डेटा के कई स्रोतों से इस बात के स्पष्ट प्रमाण मिलते हैं कि 10 साल पहले की तुलना में श्रमिकों की क्रय शक्ति घट गई है। चिंता की बात यह है कि इन स्थिर मजदूरी दर का संबंध भारत के श्रमिकों की उत्पादकता में गिरावट से हो सकता है, जो हाल के वर्षों में सिकुड़ रही है।

भाजपा सरकार ने लोकतंत्र और संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि भाजपा सरकार ने लोकतंत्र और संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं एवं वह पुलिस के जरिए उत्तर प्रदेश को चलाना चाहती है। यादव ने भाजपा सरकार में भेदभाव होने का दावा करते हुए आरोप लगाया कि नौजवानों को नौकरी नहीं मिल रही है, आरक्षण से खिलवाड़ हो रहा है, संविधान को कमजोर किया जा रहा है एवं विकास का कोई कार्य नहीं हो रहा है। सपा द्वारा जारी किए गए एक बयान में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने लोकतंत्र और संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं और वह पुलिस के जरिए उत्तर प्रदेश को चलाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार एक-एक कर हर वर्ग के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में जिस निर्दयता से भाजपा सरकार की निरंकुश पुलिस ने निहत्थे वकीलों पर लाठीचार्ज किया और उनकी पिटाई की, वह बेहद निंदनीय है। यादव ने भाजपा सरकार पर किसी की सगा नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह फंसाने वाली पार्टी है तथा भाजपा के लोग खुद जानते हैं कि उनकी पार्टी लोगों को फंसाती है।

सिक्किम उपचुनाव : दो विधानसभा सीटों पर एसकेएम उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

गंगटोक/भाषा। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के उम्मीदवार आदित्य गोले और सतीश चंद्र राय क्रमश: सोरेंग-चाकुंग और नामची-सिंघीथांग विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव में बुधवार को निर्विरोध निर्वाचित हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक गोले सोरेंग-चाकुंग सीट के लिए उपचुनाव में एकमात्र उम्मीदवार थे क्योंकि सिक्किम लोकतांत्रिक मोर्चा (एसडीएफ) के उम्मीदवार प्रोबिन हंग सुब्बा ने मंगलवार को अपना नामांकन वापस ले लिया था। अधिकारियों ने बताया कि गोले निर्विरोध निर्वाचित हुए और सोरेंग के निर्वाचन अधिकारी धीरज सुबेदी ने नाम वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने के बाद उन्हें निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा। एसकेएम के सतीश चंद्र राय ने नामची के निर्वाचन अधिकारी अनूपा तमलिंग से निर्वाचन प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया। राय नामची-सिंघीथांग विधानसभा क्षेत्र के लिए हुए उपचुनाव में निर्विरोध निर्वाचित हुए, क्योंकि मंगलवार को एसडीएफ उम्मीदवार डेनियल राय द्वारा नाम वापस लेने के बाद वह मैदान में एकमात्र उम्मीदवार थे।

देश से माफी मांगे कांग्रेस, निर्वाचन आयोग की ओर से आरोपों को खारिज करने के बाद भाजपा ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग की ओर से हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनियमितताओं के कांग्रेस के आरोपों को 'तुच्छ और निराधार' बताकर खारिज किए जाने के बाद बुधवार को प्रमुख विपक्षी पार्टी से कहा कि उसे इस मुद्दे पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और देश से माफी भी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजे एक पत्र में आयोग ने कहा कि इस तरह के 'तुच्छ और बेबुनियाद' संदेह 'अशांति' पैदा करने की क्षमता रखते हैं, खासकर मतदान और मतगणना जैसे महत्वपूर्ण चरण में, जब राजनीतिक दलों और जनता की बेचैनी चरम पर होती है। हरियाणा में पांच अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 90 में से 48 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रखी, जबकि कांग्रेस 37, इनेलो दो और निर्दलीय तीन सीटों पर विजयी रहे।

आठ पन्नों के पत्र के मुताबिक, कांग्रेस ने हरियाणा की 26 विधानसभा सीटों के कुछ मतदान केंद्रों पर गिनती के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के 'कंट्रोल यूनिट' पर बैटरी का स्तर 99 फीसदी दिखने पर सवाल उठाए थे और स्पष्टीकरण मांगा था।

आयोग ने कहा, इस चिंता में 'कंट्रोल यूनिट' को बदले जाने की आशंका छिपी हुई थी।

इस मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 1,642 पन्नों में चुनाव आयोग ने कांग्रेस को उसके निराधार और निरर्थक आरोपों पर विस्तृत जवाब दिया है। पार्टी अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है। उसे किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास नहीं है और वह भारत की व्यवस्था को कमजोर करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जिस तरीके से संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को कम करने की कोशिश कर रही है, वह न केवल हास्यास्पद है बल्कि संदेहास्पद भी है।

पप्पू यादव के बयान से मेरा और बच्चों का कोई लेना-देना नहीं : रंजीत रंजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन ने अपने पति राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव द्वारा गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को चुनौती दिए जाने से जुड़े मामले को लेकर बुधवार को कहा कि पूर्णिया से लोकसभा सदस्य के बयान से उनका और उनके बच्चों का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ बातचीत में यह भी कहा कि उनके और पप्पू यादव के बीच कई विषयों पर मतभेद हैं तथा पिछले डेढ़-दो साल से दोनों अलग-अलग रह रहे हैं।

मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद पप्पू यादव ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर कहा था कि अगर कानून द्वारा अनुमति दी गई तो वह जेल में बंद गैंगस्टर बिश्नोई के पूरे नेटवर्क को 24 घंटे के भीतर खत्म कर देंगे। उन्होंने बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान के साथ भी एकजुटता जताई थी। खान को भी बिश्नोई गिरोह से धमकियां मिली हैं। इसके कुछ दिनों बाद 28 अक्टूबर को पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से मिली धमकी के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। पप्पू यादव के बयान के बारे में पूछे जाने पर रंजीत रंजन ने कहा, मेरा और पप्पू जी का राजनीतिक करियर अलग अलग है। हम दोनों के बीच काफी मतभेद भी हैं। (हम) पिछले डेढ़-दो वर्षों से अलग अलग रह रहे हैं। जो भी उनका बयान है, उससे मेरा या मेरे बच्चों कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस सांसद का यह भी कहना था, जो चल रहा है, वो कानून-व्यवस्था का मामला है और सरकार का मामला है, उनको देखना चाहिए। जो बयान चल रहे हैं, उससे मेरा और मेरे परिवार का कोई लेना-देना नहीं है।

ओडिशा सरकार ने गर्भवती कर्मचारी को छुट्टी देने से मना करने पर सीडीपीओ को पद से हटाया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने एक गर्भवती कर्मचारी को छुट्टी देने से मना करने के आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए मामले से संबद्ध बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) को बुधवार को पद से हटा दिया। सीडीपीओ पर आरोप है कि महिला कर्मचारी को छुट्टी नहीं मिलने के कारण उसके अजन्मे बच्चे की जान चली गई। उपमुख्यमंत्री प्रभाती परिदा ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि केंद्रपाड़ा जिले के डेराबिश ब्लॉक की सीडीपीओ स्नेहलता साहू को महिला एवं बाल विकास विभाग की 26 वर्षीय क्लर्क वर्षा प्रियदर्शिनी द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए पद से हटा दिया गया है। सात माह की गर्भवती वर्षा ने आरोप लगाया था कि 25 अक्टूबर को कार्यालय में प्रसव पीड़ा होने के बावजूद छुट्टी न मिलने के कारण गर्भ में ही उनके बच्चे की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सीडीपीओ और अन्य अधिकारियों ने अस्पताल जाने देने के उनके अनुरोध को नजरअंदाज कर दिया। वर्षा ने दावा किया कि साहू ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

टर्निंग विकेटों पर भारत का पलड़ा अब भी भारी है : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत को भले ही पहले दो टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा लेकिन कीवी स्पिनर अजाज पटेल का मानना है कि टर्निंग विकेटों पर मेजबान टीम का पलड़ा अब भी भारी है। न्यूजीलैंड ने पहले दो टेस्ट मैच में भारत को खेल के हर विभाग में परास्त किया। विशेषकर स्पिनरों के लिए मददगार पिच पर उसने भारत की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया।

तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा और कयास लगाए जा रहे हैं कि यहां भी धीमी गति के गेंदबाजों को मदद पहुंचाने वाली पिच तैयार की जा रही है।

पटेल को उम्मीद है कि उनकी टीम पिछले दो मैच की तरह सभी अच्छे कदम उठाएगी भले ही भारत उनसे बेहतर तरीके से स्पिनरों के लिए मददगार पिच से सामंजस्य बिठा सकता है। पटेल ने न्यूजीलैंड के अभ्यास सत्र के बाद संवाददाताओं से कहा, जब टर्निंग विकेट पर खेलने की बात आती है तो भारत का पलड़ा अब भी हमसे भारी है। भारतीय बल्लेबाज परंपरागत रूप से टर्न लेती पिच पर अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्होंने कहा, बेशक उन्हें अभी तक इस श्रृंखला में वैसी सफलता नहीं मिली जैसे वह चाहते थे लेकिन निश्चित तौर पर वह एक ऐसा प्रतिद्वंदी है जिसके खिलाड़ी बेहद कौशल वाले हैं और उनसे पार पाना आसान नहीं है। पटेल ने कहा, उनके पास बेहद कुशल खिलाड़ी हैं और हमारे स्पिन गेंदबाजों के लिए चीजों पर नियंत्रण रखते हुए उन पर अधिक से अधिक समय तक दबाव बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमें खेलने के लिए जैसा भी विकेट मिले हम इस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। न्यूजीलैंड ने अभी तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन किया है तथा पटेल का मानना है कि उनकी टीम को अगले मैच में भी अपने बेसिक्स पर कायम रहना होगा। उन्होंने कहा, यह वास्तव में उन्हें चुनौती देना जारी रखने के बारे में है। एक बल्लेबाज के रूप में जब आप ऐसी गेंद का सामना कर रहे होते हैं जो बहुत ज्यादा टर्न ले रही हो तो उसे खेलना आसान नहीं होता है। इसलिए यह सुनिश्चित करना हमारे ऊपर है कि हम गेंदों को लंबे समय तक सही क्षेत्र में पिच कराएं।

पटेल ने तीन साल पहले यहां एक पारी में 119 रन देकर सभी 10 विकेट हासिल किए थे और इसलिए उनके लिए यह खास मैदान बन गया है। उन्होंने कहा, मुंबई में वापस आना हमेशा खास होता है और यह ऐसा स्थान है जिसे मैं अपना घर कह सकता हूं। यहां फिर खेलने का मौका मिलना खास है। ईमानदारी से कहूं तो 10 विकेट लेने के बाद मुझे यकीन नहीं था कि अपने करियर ने मुझे यहां फिर से दोबारा खेलने का मौका मिलेगा।

सुविचार

समय अच्छा हो तो आपकी गलती भी मजाक लगती है, समय खराब हो तो मजाक भी गलती बन जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विदेश जाने का ऐसा जुनून क्यों?

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लगभग 1,100 भारतीय नागरिकों को स्वदेश भेजे जाने की कार्रवाई के निहितार्थ को समझना जरूरी है। यह कोई सामान्य घटना नहीं है कि ये लोग वहां अवैध रूप से रह रहे थे और जब पकड़े गए तो भारत भेज दिए गए। किसी भी देश में जाने और वहां रहने के लिए उसके कानून का पालन करना बहुत जरूरी है। जो व्यक्ति ऐसा नहीं करता, वह उस देश का अपराधी तो बनता ही है, अपने देश की छवि भी खराब करता है। अच्छी कमाई और बेहतर जीवन स्तर की चाहत लेकर विदेश जाना गलत नहीं है। बहुत लोगों ने विदेश को कर्मभूमि बनाकर नाम कमाया है। ऐसे कई लोग तो शीर्ष अमीरों की सूची में शामिल हो गए। उन्होंने उस देश की बेहतरी में योगदान दिया। ऐसे लोगों को बहुत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। वहीं, जो लोग किसी देश में गलत तरह से दाखिल होते हैं या वैध दस्तावेजों के आधार पर अनुमति लेकर वहां निर्धारित अवधि से ज्यादा दिनों तक डेरा डाले बैठे रहते हैं, वे बहुत गंभीर अपराध कर रहे होते हैं। इसकी इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। संबंधित देश उन्हें नियमानुसार निकाल सकते हैं और भविष्य में उनके आने पर पाबंदी भी लगा सकते हैं। इस पर किसी को आपत्ति क्यों होनी चाहिए? यह उचित ही है कि जो लोग कानून का उल्लंघन करते हुए विदेश में दाखिल होते हैं, वहां रहते हैं, उन्हें बाहर किया जाए। भारत में भी कई बांग्लादेशी और रोहिंग्या इसी तरह रह रहे हैं। जब उन्हें बाहर निकालने की बात की जाती है तो यहां कई लोग उनके अधिकारों की दुहाई देकर अदालतों में चले जाते हैं। वे उनके लिए कई सुख-सुविधाओं की मांग करते हैं।

दूसरी ओर, अमेरिका, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों का पैरोकार बना हुआ है, वह भारत को तो इस मामले में उपदेश देता रहता है, लेकिन अपने यहां अवैध रूप से रहने वाले लोगों को निकालने में खूब फुर्ती दिखाता है। अमेरिका को पूरा अधिकार है कि वह अपने कानून का उल्लंघन करने वाले एक-एक विदेशी को बाहर निकाले। सवाल है- जब भारत कोई कार्रवाई करता है तो अमेरिका के मंत्री, नेता, अधिकारी और थिंक टैंक विरोध में राग अलापना क्यों शुरू कर देते हैं? सवाल तो यह भी पैदा होता है कि भारत में किसी के विदेश जाने को इतनी बड़ी कामयाबी क्यों समझा जाता है? हर व्यक्ति को स्वतंत्रता है कि वह दुनिया में कहीं भी जाकर भविष्य के लिए बेहतर संभावनाएं तलाशे। लोग जाते भी हैं, लेकिन इसके लिए इतना जुनूनी होना ठीक नहीं है कि कानूनों का उल्लंघन करने लग जाएं। कई लोग सिर्फ इसलिए अपनी संपत्ति गिरवी रख देते हैं या बेच देते हैं, ताकि विदेश जाने का प्रबंध हो जाए। कई शहरों-गांवों में तो इस बात की होड़ मची है कि जैसे ही ठीक-ठाक रकम मिले, अमेरिका, कनाडा, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात या ऑस्ट्रेलिया का वीजा लेने के लिए आवेदन किया जाए। वे किसी भी सूरत में देश छोड़कर जाना चाहते हैं। कई लोग उन्हें बड़े-बड़े सब्जबाग दिखाते हैं कि वहां तो ऐश ही ऐश हैं ... बस, आपके उधर पहुंचने की देर है ... एक बार वहां कदम रखा कि पूरी सरकार आपके लिए फूलों का हार और नए बंगले की चाबी लेकर खड़ी मिलेगी। कुछ फिल्मों और धारावाहिकों ने भी बहुत गुमराह किया है। उन्हें देखकर नौजवानों को यह भ्रम होता है कि वहां तो बहुत मौज है। लिहाजा उनकी ख़्वाहिश होती है कि एक बार 'वहां' जाएं और फिर हमेशा के लिए 'वहीं के' हो जाएं! इस धारणा को बढ़ावा देने के लिए समाज भी काफी हद तक जिम्मेदार है। प्राय: वह उन नौजवानों को प्रोत्साहन देने में उदासीनता दिखाता है, जो भारत में रहकर अपनी मेहनत से कोई उद्यम स्थापित करते हैं, लोगों को रोजगार देते हैं और आयकर समेत अन्य करों का भुगतान कर राष्ट्रनिर्माण में योगदान देते हैं। कई लोग देखादेखी में विदेश जाने के लिए जितनी बड़ी रकम खर्च करते हैं, अगर वे कोई हुनर सीखकर उससे आधी रकम में भी स्वरोजगार करें और ईमानदारी से मेहनत करें तो कुछ ही वर्षों में बहुत बेहतर स्थिति में हो सकते हैं। किसी भी हालत में विदेश जाने के इस जुनून से बचना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र प्रवास के दौरान कोटा स्थित कार्यालय में क्षेत्र के लोगों से भेंट कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कोटा-बून्दी परिवार के साथ उत्सव का आनन्द दोगुना हो जाता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दीपावली सभी के जीवन को सुख और शांति से समृद्ध करे।

-ओम बिरला

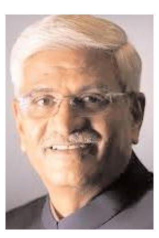

मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ के साथ केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और राज्य सरकार के अधिकारियों की बैठक में विमर्श हुआ। यूनेस्को कुंभ को 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' की मान्यता देता है और इस भावना को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं! 'विकसित राजस्थान, विकसित भारत' के संकल्प की पूर्ति हेतु निरंतर समर्पित हमारी सरकार की उपलब्धियों पर गौरवान्वित होते हुए आप सभी के पूर्ण सहयोग एवं विश्वास के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

बख्शीश की टीस

दिवाली के दिन डाकिया मोहल्ले के घर-घर जाकर बख्शीश मांग रहा था। आगे चलकर एक जान-पहचान वाली लड़की का घर आया। डाकिये ने सोचा बच्ची से बख्शीश न लूंगा, उसका माथा देखकर मुड़ जाऊंगा। उसने बच्ची का द्वार खटखटाया। दरवाजा खोलते ही बच्ची डाकिए को एक उपहार का डिब्बा देकर कहने लगी, 'दादा जी! दिवाली की यह भेंट आपके लिए है। मना मत करना। 'डाकिया हंस कर बोला, 'बिटिया! तुम्हारे हाथ की छुई हुई हर चीज मेरे लिए ईश्वरीय सौगात है। यह मेरे पास यादगार के तौर पर रहेगी। मैं तो तुम्हें दिवाली की आशीष देने आया हूं।' यह कहकर डाकिए ने बच्ची का सिर पुचकार दिया। डाकिये ने घर पहुंचकर जब डिब्बा खोला तो वह उसमें रखे जूतों को देखकर हतप्रभ रह गया। उसकी पूरी रात दुविधा में बीती। कभी वह बिवाई से फटे अपने नंगे पांव को देखता, कभी जूतों को और कभी उसके जेहन में वह दिव्यांग बच्ची घूमती जो ठीक से चल नहीं पाती। अगली सुबह उसने डाकघर जाकर पोस्ट मास्टर से कहा, 'साहब जी, मेरी बदली कर दो। मैं आज के बाद उस मोहल्ले में नहीं जा पाऊंगा।

सामयिक

भारत के लौह पुरुष थे सरदार पटेल

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

देश के वो पहले गृहमंत्री गृहमंत्री थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आईसीएस) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आईएएस) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवत: नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षो में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

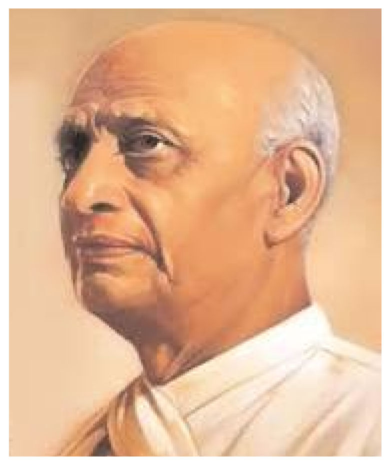

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा।

जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हे बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है।

रोचक

मेक्सिको के जंगल में मिला प्राचीन माया सभ्यता का खोया शहर

मेक्सिको में युकाटन प्रायद्वीप पर 1,500 साल पुराने माया सभ्यता के एक विशाल शहर का पता लगाया गया है। ये खोज खास तरह के लेजर सर्वे (लिडर तकनीक) के जरिए की गई है। लाइव साइंस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि जर्नल एंटिक्विटी ने मंगलवार को इस नई रिसर्च को पब्लिश किया है। रिसर्च कहती है कि खोजे गए शहर में 6,674 स्ट्रक्चर हैं। इनमें चिचेन इट्जा और टिकाल जैसे पिरामिड शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने 1,500 साल पुरानी साइट में अपनी खोज के लिए लिडार मैप्स का इस्तेमाल किया, जो जमीन पर लेजर पल्स शूट करके बनाए जाते हैं।

लिडार तकनीक के आने के बाद से प्राचीन बस्तियों के अवशेषों की खोज में बहुत तेज वृद्धि हुई है। हालांकि यह एक तकनीक महंगी है। एरिजोना विश्वविद्यालय के पुरातत्वविद और अध्ययन के पहले लेखक ल्यूक औल्ड-थॉमस का कहना कि उनके जैसे शुरुआती करियर वाले वैज्ञानिकों के लिए ये तकनीक सुलभ नहीं थी। थॉमस ने कहा कि इस क्षेत्र का लिडार सर्वेक्षण पहले से मौजूद होना काफी काम आया। थॉमस ने पहले से कमीशन किए गए लिडार अध्ययनों को खंगालकर मेक्सिको के जंगलों में कार्बन को मापने और निगरानी करने के लिए बनाए गए सर्वेक्षण का पता लगाया। उन्होंने मेक्सिको के पूर्व-मध्य कैम्पेचे में 50 वर्ग मील का विश्लेषण किया, जहां पहले कभी माया संरचनाओं की खोज नहीं की गई । इस दौरान थॉमस और उनके सहयोगियों ने खेतों और राजमार्गों के भीतर छिपे हुए माया शहर के निशान पाए। शोधकर्ताओं ने इस शहर का नाम पास के मीठे पानी के लैगून के नाम पर वेलेरियाना रखा है। ये शहर 250 से 900 ईस्वी का है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इसमें क्लासिक माया राजधानी के सभी लक्षण दिखते हैं। इसमें एक बड़ा रास्ता, मंदिर पिरामिड और एक बॉल कोर्ट से जुड़े प्लाजा शामिल हैं। वेलेरियाना शहर के केंद्र से दूर पहाड़ी पर छतें और घर हैं, जो एक घने शहरी फैलाव का संकेत देते हैं। यह पूर्व-मध्य कैम्पेचे में माया संरचनाओं को प्रकट करने वाली पहली रिसर्च है। थॉमस का कहना है कि इसके बारे में वैज्ञानिक समुदाय को पता नहीं था। उन्होंने ये भी कहा कि हमने सब कुछ नहीं पाया है। अभी और भी बहुत कुछ खोजा जाना बाकी है। शोध में अगला कदम पुरातत्वविदों के लिए साइट पर शहर की पुष्टि करना है। इस पर रिसर्चर कदम बढ़ा सकते हैं।

नजरिया

दीपों की पवित्र रोशनी से दीप्त वैश्विक दीपावली पर्व

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

यह तो सर्व-विदित है कि भारत त्योहारों तथा पर्वों का सर्वकालिक महान देश है। देश में हर त्यौहार बडे ही उत्साह उमंग और खुशियों के साथ मनाया जाता है।समाज और संस्कृति में दीपावली पर्व का सर्वाधिक जनप्रिय महत्व है। भारत देश से लेकर फ्रांस, अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन, कनाडा, स्वीटजरलैंड, चीन और जापान एवं अन्य यूरोपीय देशों जहां भी भारतवंशी निवासरत हैं में इस त्यौहार को बहुत ही श्रद्धा एवं संस्कारों के साथ मनाया जाता है। दीपावली त्यौहार के लिए तो यहां तक की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस को भारतवंशियों तथा अमेरिकी नागरिकों के लिए दीपावली त्यौहार मनाने हेतु खोल दिया है और यह कहा भी की व्हाइट हाउस जनता का ही है और दीपावली त्यौहार मनाने के लिए विशेष रूप से खोला दिया गया है। ग्रेट ब्रिटेन में तो दीपावली त्योहार भारत की तरह बड़े ही जगमग तरीके से एवं उत्साह पूर्वक मनाया जाता है।

कार्तिक अमावस्या के दिन अनगिनत दीप मालाओं से अमावस्या के घोर अंधकार को शरद पूर्णिमा में परिवर्तित करने वाला यह पवित्र त्यौहार दीपावली जनमानस द्वारा अंतर मन से मनाया जाता है । पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्री राम 14 वर्ष के वनवास के पश्चात सीता जी एवं लक्ष्मण जी को लेकर इसी दिन अयोध्या नगरी लौटे थे।

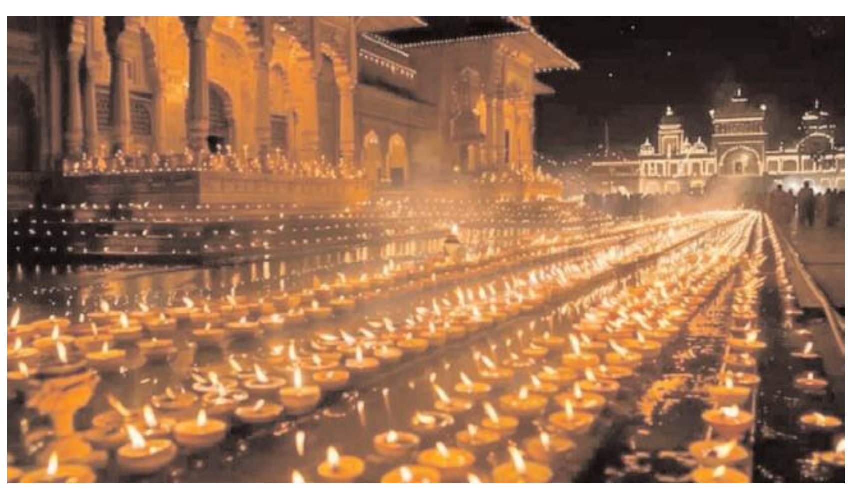

तत्पश्चात इन सुखद पलों में अयोध्या वासियों ने उनके स्वागत के लिए समस्त अयोध्या राज्य में घी के दीपक जलाकर उनका भव्य स्वागत किया था पूरे राज्य में खुशियों के कारण मिठाइयों का वितरण भी किया था और तब से यह त्यौहार श्री राम प्रभु द्वारा रावण वध के पश्चात विजई आगमन के सौभाग्यशाली प्रतीक के रूप में बड़े ही भव्य तरीके से मनाया जाता है अन्य कथा के अनुसार इसी दिवस पर सागर मंथन होने पर देवी लक्ष्मी जी का आविर्भाव हुआ था अतः इस दिवस पर लक्ष्मी जी का पूजन बड़ी श्रद्धा,उत्साह एवं भव्य तरीके से किया जाता है। जनमानस पूरी रात दूसरों के आगमन की आशा तथा प्रतीक्षा में दीप जलाकर घर के द्वार खुले लगते हैं।दीपावली का त्यौहार व्यापारी वर्ग के लिए अत्यंत पवित्र एवं विशेष माना जाता है वह अपने संपूर्ण वर्ष का हिसाब किताब साफ वह स्वच्छ करके नए बही खातों को सृजित करने का कार्य भी करते हैं। वर्तमान संदर्भ में यह त्योहार इसीलिए भी लोकप्रिय है कि आर्य समाज के महान प्रवर्तक स्वामी दयानंद सरस्वती का निर्वाण भी इसी दिन हुआ था अतः आर्य समाज के प्रवर्तक भी इस पर्व को अत्यंत पवित्र एवं शुभ मानते हैं इसी तरह जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर महावीर स्वामी का निर्वाण भी इसी पवित्र दिन में हुआ था इस तरह सर्व जैन समाज दिवाली के इस त्यौहार को संपूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाता है। दीपावली में घरों की स्वच्छता के साथ-साथ साफ सफाई के कारण कीट,पतंगे,कीड़े-मकोडों की साफ सफाई हो जाती हैं और बाजारों में रौनक छा जाती है। कपड़ों से लेकर मिठाईयां,स्वर्ण आभूषणों की दुकानों में मानस की भीड़ एकत्र होने लगती है और धनतेरस तथा दिवाली के समय करोड़ों-अरबों रुपयों का व्यापार व्यवसाय भी फलीभूत होता है जिससे देश की इकोनॉमी में बहुत ज्यादा मुनाफा होने की संभावना बन जाती है। वैसे यह माना जाता है कि दीपावली स्वच्छता का पर्याय पर्व भी है। शारीरिक तथा घरों की स्वच्छता के साथ-साथ मन में बसे लालच विकार को भी दीपों की पवित्र लौ से हटाया जाता है एवं ज्ञान के अंधकार को भी दीपावली के दीपों की पवित्र रोशनी से ज्ञान के उजालों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया भी की जाती है। दीपावली के दीपों के साथ ज्ञान का उजाला भी देश के साथ समूचे विश्व में विस्तारित होता दिखाई देता है।

इस संदर्भ में मैंने चार पंक्तियां लिखी हैं- आओ ज्ञान का दीप जलाएं, अज्ञानता के घनघोर तमस में, ज्ञान के सहस्त्र दीप जलाएं, दूर करें अंधियारा जगत से, निराशा मन-मस्तिष्क से, आओ एक ज्ञान का दीप जलाएं।

इस तरह देश तथा संपूर्ण जगत की समृद्धि एवं विकास के इस त्यौहार को वैश्विक स्तर पर बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया जाता है। भारतीय जनमानस के लिये तो यह पर्व बहु-प्रतीक्षित उत्साहवर्धक एवं ऊर्जावान प्रमाणित माना जाता है। वैसे भी दीपावली को त्यौहार नहीं मानवीय जीवन के विकास, उल्लास, खुशी तथा आनंद का पवित्र प्रतीक माना जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पावर ग्रिड ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत वॉकथॉन का आयोजन किया

टीआर कृष्ण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न कंपनी पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में अपने सभी प्रतिष्ठानों में 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति' विषय के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रही है।

इसी सिलसिले में पावरग्रिड कार्यालय परिसर और उसके आस-पास जागरूकता का प्रसार करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु के कर्मचारियों ने वॉकथॉन का आयोजन किया। इसे कार्यकारी निदेशक (एसआर-2) टीआर कृष्ण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कृष्ण कुमार ने समाज और राष्ट्र से भ्रष्टाचार को खत्म करने तथा भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने के महत्त्व पर जोर दिया। वॉकथॉन में सीजीएम (एएम) जीएस राव, सीजीएम (प्रोजेक्टस) नागराज भट और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ क्षेत्रीय कार्यालय के कर्मचारियों ने भाग लिया।

'अमित शाह ने सिख अलगाववादियों को निशाना बनाकर अभियान चलाने का आदेश दिया'

ओटावा/एपी। कनाडा के एक मंत्री ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारत के गृह मंत्री अमित शाह ने कनाडा में रह रहे सिख अलगाववादियों को निशाना बनाकर हिंसा करने, धमकाने और खुफिया जानकारी जुटाने का अभियान चलाने का आदेश दिया है।

उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सदस्य सांसदों को बताया कि उन्होंने 'वाशिंगटन पोस्ट' से शाह के नाम की पुष्टि की है, जिसने सबसे पहले इन आरोपों की खबर दी थी। शाह का जिक्र करते हुए मॉरिसन ने समिति को बताया, पत्रकार ने मुझे फोन करके पूछा कि क्या यह वही व्यक्ति हैं। मैंने पुष्टि की कि यह वही व्यक्ति हैं। हालांकि, मॉरिसन ने यह नहीं बताया कि कनाडा को शाह के कथित तौर पर शामिल होने के बारे में कैसे पता चला।

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक साल पहले दावा किया था कि कनाडा के पास विश्वसनीय सबूत हैं कि जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में कनाडाई सिख कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट शामिल थे। कनाडाई अधिकारियों ने बार-बार कहा है कि उन्होंने भारतीय अधिकारियों के साथ इस बात के सबूत साझा किए हैं। भारत सरकार के अधिकारियों ने निज्जर मामले में कनाडा द्वारा सबूत दिए जाने से इनकार किया है और आरोपों को बेतुका बताया है। ओटावा में भारत के दूतावास ने शाह के खिलाफ आरोपों पर टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेशों का तुरंत जवाब नहीं दिया।

दीपोत्सव

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अयोध्या में दीपोत्सव समारोह के दौरान भगवान राम और लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले कलाकारों के साथ।

लोगों को डरावनी फिल्में देखने में मजा क्यों आता है?

जूंडालूप (ऑस्ट्रेलिया)/फीनिक्स (अमेरिका)/द कन्वरसेशन। अजीबोगरीब कल्पनाएं, अत्यधिक हिंसा, भयभीत कर देने वाली उछलकूद तथा खतरनाक पात्र दर्शकों को डर का अनुभव कराते हैं। हम आम तौर पर अपने रोजमर्रा के जीवन में इन नकारात्मक भावनाओं से बचे रहना चाहते हैं, लेकिन फिर ऐसा क्या है कि कुछ लोग डरावनी (हॉरर) फिल्में देखना चाहते हैं और उन्हें ऐसी फिल्मों को देखकर मजा आता है। डर और उत्तेजना की भावनाएं के बीच बहुत अधिक 'ओवरलैप' होता है, यानी दोनों एक साथ होती हैं। दोनों में, शरीर में तनाव से संबंधित हार्मोन निकलते हैं जो धड़कन और सांस लेने की दर में वृद्धि, पसीना और मांसपेशियों में तनाव जैसे शारीरिक लक्षण पैदा कर सकते हैं। लोग अधिक सतर्क भी महसूस करते हैं। अनुसंधानों में लगातार यह बात सामने आई है कि भय और उत्तेजना जैसी गहन भावनात्मक अनुभवों की लालसा रखने वाले लोगों को डरावनी फिल्में देखने में मजा आता है। लेकिन जो लोग अधिक डर जाते हैं, उनके लिए कूदने-फांदने से लगने वाला डर और हिंसक दृश्य बहुत तीव्र हो सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप लोग कहीं और दूर देखने लगते हैं या कानों पर हाथ रख लेते हैं। ऐसा तब अधिक होता है जब लोग फिल्म में अत्यधिक डूबे होते हैं। हालांकि, अगर वे तीव्र भावनाओं का आनंद लेते हैं, तो उन्हें डरावनी फिल्म के दृश्य अब भी रोमांचकारी हो सकते हैं।

किसी डरावनी फिल्म में भयानक दृश्य के गुजरने के बाद लोगों को राहत महसूस होती है। हॉरर फिल्में देखना भावनात्मक उतार-चढ़ाव वाला हो सकता है जहां डर का तूफान पैदा होता है तो राहत का क्षण भी आता है। कई डरावनी फिल्मों में अलौकिक शक्तियों को दिखाया जाता है और जॉम्बी तथा वैंपायर जैसे पात्र होते हैं। हिंसा, मृत्यु, विनाश और वीभत्स तत्व जिज्ञासु लोगों को उन चीजों का पता लगाने के लिए एक सुरक्षित स्थान प्रदान कर सकते हैं जो वास्तविक दुनिया में सुरक्षित नहीं हैं।

डरावनी फिल्में हमारे गहरे डर को प्रतिबिंबित कर सकती हैं और भय तथा घृणा की हमारी व्यक्तिगत सीमाओं के बारे में आत्मनिरीक्षण कर सकती हैं। इसलिए कुछ लोग अपनी सीमाओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए उन्हें देखने का आनंद ले सकते हैं।डरावनी फिल्में देखना व्यक्तिगत सीमाओं को विस्तार देने का एक तरीका भी हो सकता है, जिससे वास्तविक जीवन में चीजें कम डरावनी या घृणित हो सकती हैं। हममें से एक (कोल्टन) के द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई कि हॉरर फिल्मों के प्रशंसकों को ऐसी फिल्मों का शौक नहीं रखने वाले लोगों की तुलना में कोविड महामारी के शुरुआती महीनों में कम मनोवैज्ञानिक तनाव हुआ।

पाकिस्तान चीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध : इशाक डार

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने कहा कि सरकार देश में रहने वाले चीनी नागरिकों के जीवन और संपत्तियों की सुरक्षा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि अधिकारियों ने हाल ही में चीन के श्रमिकों पर हुए हमलों में शामिल अधिकतर हमलावरों को कैसे गिरफ्तार किया।

डार ने यह टिप्पणी मंगलवार को 'पाकिस्तान-चीन संस्थान' द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में की।

इस सम्मेलन का शीर्षक 'चाइना एट 75: ए जर्नी ऑफ प्रोग्रेस, ट्रांसफॉर्मेशन एंड ग्लोबल लीडरशीप' था।

'डॉन समाचार पत्र' की खबर के मुताबिक, विदेश मंत्री डार ने बिना कोई विवरण दिए अधिकारियों द्वारा हाल की घटनाओं में शामिल कई संदिग्धों के पकड़े जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया, अधिकतर हमलावरों को पकड़ लिया गया है।

अभिनेता वरुण धवन और जैकलीन फर्नांडीज मुंबई में अंशुल मोहन की दिवाली पार्टी में शामिल हुए।

फिल्म 'जानू आई लव यू' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

निर्माता रत्नाकर कुमार, सुपरस्टार अक्षरा सिंह और विक्रांत सिंह राजपूत की नई फिल्म जानू आई लव यू का फर्स्ट लुक रिलीज़ हो गया है। फिल्म जानू आई लव यू को वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स और जीतेन्द्र गुलाटी ने प्रस्तुत किया है, जबकि निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। यह फिल्म वर्ल्डवाइड चैनल के बैनर तले बन रही है।फर्स्ट लुक में अक्षरा सिंह का किरदार कई शेड्स में नजर आ रहा है। निर्माता रत्नाकर कुमार ने कहा, फिल्म जानू आई लव यू ,हमारे बैनर की एक विशेष पेशकश है, जिसमें दर्शकों को एक अनोखी कहानी और मनोरंजन का जबरदस्त मिश्रण मिलेगा। अक्षरा सिंह और विक्रांत सिंह राजपूत की केमेस्ट्री इस फिल्म की जान है, और दोनों ने अपने किरदारों में जान डाल दी है। हमने फिल्म की हर एक बारीकी पर ध्यान दिया है, चाहे वह कहानी हो, संगीत हो, या तकनीकी पक्ष। हमारा लक्ष्य है कि दर्शकों को एक बेहतरीन अनुभव मिले, और यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को पसंद आए।जानू आई लव यू में मनोरंजन के साथ-साथ एक मजबूत संदेश भी है, जो दर्शकों के दिलों को छू लेगा। दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं, और हमें पूरा विश्वास है कि यह उन सभी उम्मीदों पर खरा उतरेगी।

रत्नाकर कुमार ने कहाफिल्म में केवल अक्षरा और विक्रांत ही नहीं, बल्कि अन्य स्टारकास्ट जैसे अवधेश मिश्रा, रोहित सिंह मातृ, रीना रानी, काजल आनंद पाठक, आस्था सिंह, अनुप कुमार अरोड़ा भी नजर आएंगे। फिल्म की कहानी और निर्देशन अनुराग मिश्रा द्वारा किया गया है, जबकि राकेश त्रिपाठी और अनुराग मिश्रा ने इसे लिखा है।

संगीत के लिहाज से भी फिल्म काफी समृद्ध है, जिसमें प्रियंका सिंह और मनोज सिंह जैसे मशहूर गायकों की आवाज सुनने को मिलेगी। राजनीश मिश्रा के संगीत निर्देशन में बने गाने निश्चित रूप से चार्टबस्टर होंगे। फिल्म का छायांकन जगमिंदर सिंह हुंदल (जग्गी पाजी) ने की है, जबकि संतोष हरवाड़े ने इसे एडिट किया है। एम.के. गुप्ता जॉय ने फिल्म के गानों को कोरियोग्राफ किया है, जो देखने में बेहद मनोरंजक होंगे।

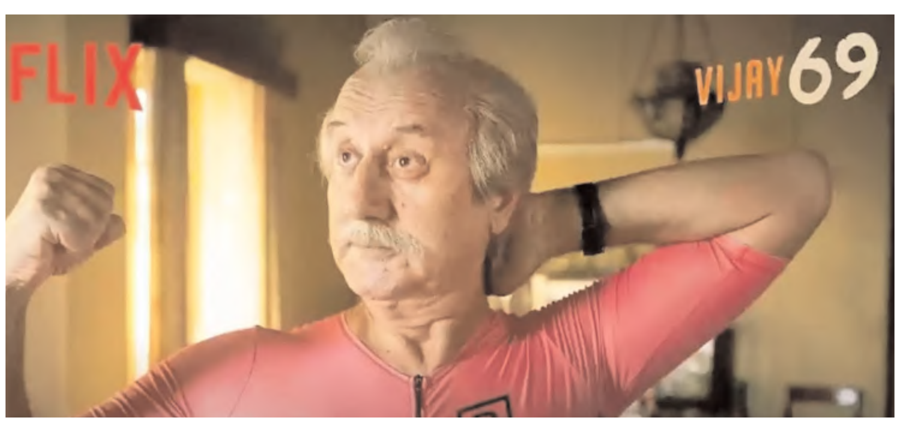

अनुपम खेर ने फिल्म 'विजय 69' के जरिए अपनी मां दुलारी को दिया ट्रिब्यूट

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी आने वाली फिल्म विजय 69 के जरिये अपनी मां दुलारी को ट्रिब्यूट दिया है।

नेटफ्लिक्स और वाईआरएफ एंटरटेनमेंट की विजय 69 का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ और इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। अपने बहुमुखी अभिनय के लिए प्रसिद्ध अनुपम खेर ने बताया कि उनका नया प्रोजेक्ट विजय 69 उनके लिए बहुत खास है, जो उनकी मां दुलारी को समर्पित है। यह फिल्म एक 69 वर्षीय व्यक्ति की प्रेरणादायक कहानी है जो जीवन में असंभव को संभव बनाने की चाह रखता है।

अनुपम खेर ने बताया, विजय 69 मेरी मां दुलारी को मेरा ट्रिब्यूट है। उनके जीवन के प्रति जोश और हर दिन को खुलकर जीने का जुनून मुझे आज भी प्रेरित करता है। आज जो कुछ भी हूं, वह उन्हीं की वजह से हूं। मेरे अंदर का कभी हार न मानने वाला जज़्बा उनकी ही देन है।

उन्होंने मुझे सिखाया कि चाहे जो भी हो, कभी पीछे मत हटो।स्क्रिप्ट पढ़ते ही मुझे अपनी माँ का ख्याल आया और मैं इस फिल्म में काम करने के लिए उत्सुक था। हर दिन सेट पर मैंने उनकी सीख का अनुसरण किया।कभी हार मत मानो, खुद पर भरोसा रखो, और हर परिस्थिति में आगे बढ़ते रहो। यह फिल्म मेरी मां और उनके जैसे तमाम अनदेखे नायकों को समर्पित है, जो रोज अपने संघर्षों से लड़ते हैं। मेरी सबसे बड़ी गुरु वही रही हैं, और मेरी सफलता उन्हीं की देन है।

फिल्म विजय 69 का प्रीमियर आठ नवंबर को नेटफ्लिक्स पर होगा।

फिल्म सूबेदार की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर और अभिनेत्री राधिका मदान की एक्शन-ड्रामा फिल्म सूबेदार की शूटिंग शुरू हो गयी है।

फिल्म सूबेदार में अनिल कपूर और राधिका मदान की मुख्य भूमिका है।इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी कर रहे हैं। फिल्म सूबेदार में राधिका मदान अनिल कपूर के किरदार, सूबेदार अर्जुन मौर्य की बेटी श्यामा की भूमिका निभा रही हैं।

फिल्म सूबेदार का निर्माण ओपनिंग इमेज फिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस फिल्म के निर्माता विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर, और सुरेश त्रिवेणी हैं। यह अमेज़न प्राइम वीडियो की ओरिजिनल फिल्म है।

'भूल भुलैया' के शीर्षक गीत ने मुझे हिंदी फिल्मों में जगह दिलाई : नीरज श्रीधर

नई दिल्ली/भाषा

गायक नीरज श्रीधर का कहना है कि उन्होंने 'रेस', 'लव आज कल' और 'अजब प्रेम की गजब कहानी' जैसी फिल्मों में एक के बाद एक हिट गाने दिए, लेकिन वे बॉलीवुड में अपनी सफलता का श्रेय फिल्म 'भूल भुलैया' को देते हैं। गायक भारतीय 'पॉप एवं रॉक ग्रुप' 'बॉम्बे वाइकिंग्स' के मुख्य गायक हैं, जिसे 1990 के दशक में स्वीडन में बनाया गया था। श्रीधर ने अब आगामी फिल्म 'भूल भुलैया 3' के लिए गीत गाया है। श्रीधर ने प्रियदर्शन निर्देशित 2007 की फिल्म 'भूल भुलैया' के लिए समीर के लिखे और प्रीतम के संगीत निर्देशन में मूल गाने को अपनी आवाज दी थी। उन्होंने कहा, ''जब मैंने मूल गाना गाया, तब मैं हिंदी फिल्मों में उतना नहीं गाता था। मैंने 'हे बेबी' जैसी फिल्मों के लिए गाना गाया था। फिर मैंने 'लव आज कल' के लिए 'चोर बाजारी', 'आहुं आहुं' और 'ट्विस्ट' जैसे तीन गाने गाए। इसके बाद मैंने 'रेस' का गाना गाया। मैंने 'अजब प्रेम की गजब कहानी' से 'प्रेम की नैया' गाना गाया।'' उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''लेकिन 'भूल भुलैया' का गाना रिलीज होने तक इनमें से कोई गाना जारी नहीं हुआ था। अचानक उसी समय ये सारे गाने एक साथ आ गए। मैं इस गीत ('भूल भुलैया' के गीत') का शुक्रगुजार हूं। इसने हिंदी फिल्मों में मुझे जगह दिलाई।''

श्रीधर ने अमेरिकी रैपर पिटबुल और पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के साथ मिलकर 'भूल भुलैया 3' का शीर्षक गीत गाया है। उन्होंने कहा कि उन्हें अब भी याद है जब टी-सीरीज के प्रमुख एवं निर्माता भूषण कुमार ने फिल्म के मूल गीत को गाने के लिए उनसे संपर्क किया था।

गायक ने कहा कि 2006 में जब उन्होंने टी-सीरीज के लिए 'भागम भाग' का शीर्षक गीत गाया तब कुमार ने मुझसे कहा था कि मुझे प्रीतम से फोन आएगा। उन्होंने कहा, ''प्रीतम भी 'बॉम्बे वाइकिंग्स' के लिए मेरे गीतों को पसंद करते हैं। हमें शुरू से शुरुआत की। मैं वाकई बहुत उत्साहित था क्योंकि तब तक मुझे स्टूडियो में बहुत से लोगों के सामने गाने का हुनर आ चुका था। भूषण भाई और समीर भाई वहां थे, यह स्टूडियो में किसी 'कॉन्सर्ट' जैसा था।'' श्रीधर ने कहा कि ''ऑडियो फाइल में कुछ समस्या आ जाने के कारण'' उन्हें फिर से गाने को गाना पड़ा। गायक ने कहा कि उन्हें अनुमान नहीं था कि 'भूल भुलैया' का शीर्षक गीत 'चार्टबस्टर' बन जाएगा। उन्होंने कहा, ''मुझे याद है, मुझे कहा गया था कि ये गाना हिट होने वाला है। लेकिन मैंने इसे अन्य गाने की तरह ही लिया। लेकिन ये वाकई में बहुत बड़ा हिट बन गया।'' इसके 15 साल बाद एक बार फिर श्रीधर को अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही 'भूल भुलैया 3' में गाना गाने के लिए बुलाया गया है। 'भूल भुलैया 3' एक नवंबर को रिलीज होगी। फिल्म में कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, विद्या बालन और तृप्ति डिमरी ने अभिनय किया है।

'छोटकी दीदी बड़की दीदी' को खास फिल्म मानते हैं देव सिंह

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता देव सिंह अपनी आने वाली फिल्म 'छोटकी दीदी बड़की दीदी' को खास फिल्म मानते हैं। देव सिंह, निर्माता प्रदीप सिंह की फिल्म 'छोटकी दीदी बड़की दीदी' में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में देव सिंह एक्शन करते नजर आएंगे। वह इस फिल्म में नायक की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में देव सिंह अंजना सिंह के साथ मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जो उनके करियर की एक अहम फिल्म है।

'छोटकी दीदी बड़की दीदी' बड़े पैमाने पर बन रही है और इसे थिएटर में रिलीज़ किया जाएगा। इस फिल्म में जहां संजय पांडे, अयाज़ खान और प्रेम दूबे जैसे दिग्गज खलनायकों की तिकड़ी है, वहीं देव सिंह का नायक अवतार दर्शकों को एक नए अंदाज में देखने को मिलेगा। फिल्म 'छोटकी दीदी बड़की दीदी' में अपनी भूमिका को लेकर देव सिंह ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मैं अहम भूमिका निभा रहा हूं। अब तक दर्शकों ने मुझे अलग अलग रूप में देखा है, लेकिन इस फिल्म के जरिए मैं एक नया सफर शुरू कर रहा हूं। अंजना सिंह के साथ काम करना भी एक शानदार अनुभव है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस नई भूमिका में मुझे पसंद करेंगे। मैं हमेशा चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं करना चाहता था, और यह फिल्म उसी दिशा में एक बड़ा कदम है।यह सिर्फ एक आम नायक की कहानी नहीं है, बल्कि इसमें कई भावनात्मक और सामाजिक पहलुओं को दिखाया गया है, जो दर्शकों से जुड़ेंगे।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री मलयप्रभसागरजी द्वारा परमात्मा महावीर निर्वाण कल्याणक के अवसर पर उत्तराध्ययन सूत्र के छत्तीस अध्ययनों के वांचन विवेचना के दौरान सोलहवें अध्ययन ब्रह्मचर्य समाधि की चर्चा करते हुए कहा कि शुद्ध स्वरुप निरंजन, निराकार आत्मा में विचरण करना ही ब्रह्मचर्य है।

प्रभु महावीर की अंतिम देशना श्रवण करने वाले अति भाग्यशाली : विनयमुनि

दीपोत्सव व निर्वाण दिवस के मौके पर आयोजित हो रही है विशेष आराधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री विनयमुनिजी ने उत्तराध्ययन सूत्र का मूल पाठ तथा 45 जाप करते हुए 32 शास्त्रों में पनरवां सूत्र 'प्रज्ञापना' सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि 'जीवों के स्वरूप को, उनकी शक्तियों को, उनमें छिपी संभावनाओं को तथा उत्थान पतन की सारी कहानी सूत्र के पन्नों पर लिखी गई है। प्रज्ञापना सूत्र हर किसी को समझ में आना बहुत मुश्किल है फिर भी महापुरुषों ने हम जैसे अज्ञानी नादान प्राणियों के लिए 2200 वर्ष पहले आर्य श्याम ने महान कृपा कर के द्रव्यानुयोग की बहुत बड़ी रचना रच कर नव तत्वों का गहराई से सूक्ष्म से सूक्ष्म तत्व की समझ दी है, हमारे ऊपर महापुरुषों का महान उपकार है।

संतश्री ने कहा कि अभी हम प्रभु महावीर का निर्वाण पर्व मना रहे है। वे परम शीतली भूत अवस्था में अनंतों में विलीन हो गए है। व्यवहार से मुक्त आत्मा का निर्वाण होता है। निर्वाण पूर्व शाश्वत-निश्चयवादी भगवान महावीर स्वामी होते हुए भी व्यवहार धर्म का निर्वाह पूर्ण रुपेण कर रहे थे। प्रभु महावीर ने उत्तराध्ययन के छत्तीस अध्ययन की 2000 गाथाओं के अर्थ रूप भाव 18 देशो के राजा छट्ठ पौषध सहित सोलह प्रहर लगातार देशना दी। वे लोग कितने पुण्यवान बड़्भागी सौभाग्यवान होंगे जिन्हें अन्तिम वाणी प्रभु की सुनने को मिली। स्थानकवासी समस्त जैन समाज बालोतरा के महामंत्री ओमप्रकाश बांठिया का गणेश बाग संघ द्वारा कार्यालय में उनका स्वागत किया गया। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने श्रद्धालुओं को भगवान महावीर के निर्वाण कल्याणक के निमित्त विनयमुनिजी के सान्निध्य में आयोजित धर्म आराधना में शामिल होने का निवेदन किया।

प्रदर्शनी अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वीवी पुरम स्थित सिमंधर शांतिसूरी जैन संघ के आराधना भवन में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की प्रेरणा से भगवान महावीरस्वामी के 2550वें निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में महावीर स्वामी के जीवन की मुख्य घटनाओं पर आधारित कलात्मक चित्रों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी का बुधवार को उद्घाटन हुआ। सुबह से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। शनिवार को नए वर्ष के उपलक्ष्य में आचार्यश्री द्वारा जैन कॉलेज में नूतन वर्ष का मांगलिक प्रदान किया जाएगा।

दूरदर्शी, गंभीर व चिंतनशील संत थे आचार्यश्री देवेन्द्रमुनि : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने श्रमण संघ के तृतीय पट्टधर आचार्यश्री देवेन्द्रमुनिजी की जयंती पर उनके गुणानुवाद करते हुए कहा कि देवेन्द्रमुनि जी महाराज का व्यक्तित्व एवं कृतित्व बहुत प्रभावशाली था।

उनकी दूरदर्शिता, गंभीरता, चिन्तनशीलता और वाकपटुता विलक्षण थी। वे पाप भीरु, निर्भीक वृत्ति के स्पष्ट वक्ता थे। मात्र 11 वर्ष की छोटी वय में संयम ग्रहण करके अपना सम्पूर्ण जीवन संघ व समाज, जिनशासन की सेवा में समर्पित कर दिया। वे महापुरुष कभी भी अपनी निन्दा और अपमान से कभी भी भय नहीं खाते थे।

वे सिद्धहस्त लेखक, कुशल वक्ता साहित्यकार अद्भूत विलक्षण प्रतिभा के धनी संत रत्न शिरोमणि महापुरुष थे। सरल सौम्य, गौरवर्ण आचार्य के अष्ट सम्पदा से युक्त आचार्य देवेन्द्र मुनि जी ने अपने जीवन में तितिक्षा भाव को अपनाया। बड़े-बड़े संकटों में भी धैर्य नहीं छोड़ा। अपने गुरु की सेवा में सदैव तल्लीन रहने के फलस्वरूप, वो आगमों के प्रकाण्ड विद्वान बने व जैन आगमों व अन्य दर्शनों के ग्रन्थों का तलस्पर्शी अध्ययन किया।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने धर्मसभा में बुधवार को प्रमाद स्थान नामक बत्तीसवें अध्ययन व कर्म प्रकृति नामक तैंतीसवें अध्ययन पर मूल पाठ का स्वाध्याय के साथ विवेचना प्रस्तुत करते बताया कि प्रमाद मुक्ति में बाधक तत्व है। सभी प्रमादों के मूल में मोह एवं इन्द्रियों की विषयासक्ति, कषाय रूप राग देष मूल कारण है।

प्रमाद का सम्बन्ध आत्मा से हैं वहीं आलस्य शरीर से जुड़ा कारण हेतु है। वास्तव में विषय मात्र सुख-दुख के कारण नहीं बल्कि इसके मूल में हैं राग-द्वेष जनित किया भावों की अभिव्यक्ति। जहाँ चक्रवर्ती छह खण्ड के अधिपति होते हैं। अपार रिद्धि-सिद्धि. सुख समृद्धि, विपुल सुख ऐश्वर्य से युक्त अधिपति महा सम्राट हति है फिर भी उन्हें भगवान ने निष्परिग्रही कहा हैं।

जो साधक काम-भोगों, इन्द्रियों के विषय-विकारों से मुक्त बनकर, संसार से पौद्गलिक पदार्थों से, जड़ वस्तुओं से मोह-ममत्त्व आसक्ति का त्याग कर देता हैं वह सब कर्मी से रहित होकर वीतराग दशा को प्राप्त कर लेता है।

संघ मंत्री सुरेश धोका ने कार्यक्रम का संचालन किया।

निराकार आत्मा में विचरण करना ही ब्रह्मचर्य है : मुनिश्री मलयप्रभसागर

दीपोत्सव के लिए रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया विमलनाथ मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री मलयप्रभसागरजी द्वारा परमात्मा महावीर निर्वाण कल्याणक के अवसर पर उत्तराध्ययन सूत्र के छत्तीस अध्ययनों के वांचन विवेचना के दौरान सोलहवें अध्ययन ब्रह्मचर्य समाधि की चर्चा करते हुए कहा कि शुद्ध स्वरुप निरंजन, निराकार आत्मा में विचरण करना ही ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मचर्य की नौ वाड बताई गई है। इन्द्रियों की आसक्ति पर हमें लगाम लगानी है। स्पर्शनेंद्रिय के वश में हाथी, रसनेन्द्रिय के वश में मछली, घ्राणेंन्द्रिय के वश में भंवरा और श्रोतेन्द्रिय के वश में हिरण का घात हो जाता है। सबसे ज्यादा इन्द्रियों में विकार वासना हमारे भोजन से ही आती है। आहार का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। धर्मविधी से प्राप्त, मित भोजन हमें उचित समय पर संयम जीवन के निर्वाह के लिए स्थिर शांत चित्त से करना चाहिए। सत्रहवां अध्ययन

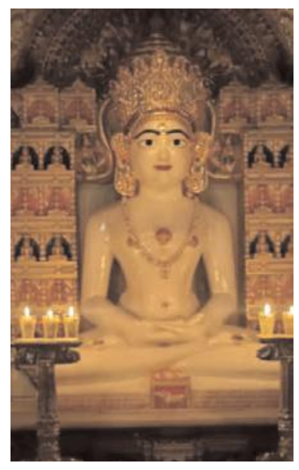

पापश्रमण जिसमें साधुओं के करने योग्य और अकरणीय आचरणों के बारे में बताया गया है। अठारहवां अध्ययन संयतीय है जिसमें संयति राजा के बारे में बताया गया है जिसको मुनि भगवन्त ने दशाणभद्र राजा की कथा और अन्य दृष्टांतों से उपदेश देकर प्रव्रजित किया। उन्नीसवां अध्ययन मृगापुत्र के वैराग्य के भावों का वर्णन किया गया है जिससे उनके मन में दीक्षा की भावना उत्पन्न होती है। बीसवां अध्ययन महानिर्ग्रन्थीय जिसमें अनाथी मुनि की कथा का विवेचन है। हमारे शरीर में उत्पन्न वेदना को हमें ही भोगना पड़ेगा, इस वेदना को हम किसी के साथ भी बांट नहीं सकते। हमारा कोई नाथ नहीं है। सिर्फ हम ही स्वयं हमारे नाथ हैं। इसमें अनाथी मुनि और श्रेणिक महाराजा के बीच संवाद को बताया गया है।

अनाथ व्यक्ति जब संसार को छोड़कर संयम ग्रहण करेगा तभी वह सनाथ बनेगा। इक्कीसवां अध्ययन समुद्रपालीय है जिसमें बताया गया है कि जिस प्रकार बीज जल जाए तो उससे वापस धन धान्य उत्पन्न नहीं हो सकता उसी प्रकार जब हमारे कर्म जल जाएंगे तब हम भी जन्म मरण से मुक्त हो जाएंगे। बाइसवां अध्ययन रथनेमिय जिसमें बाइसवें तीर्थंकर श्री नेमिनाथ परमात्मा के भाई सिद्ध भगवन्त रथनेमि की कथा का वर्णन है जिसने अपनी गलती को स्वीकार करके सुधारा और मोक्षगति को प्राप्त किया, जिन्हें परमात्मा महावीर ने पुरुषोत्तम नाम से संबोधित किया। विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी को दीपोत्सव के लिए रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया है जो कि क्षेत्र का मुख्य आकर्षण का कारण बना हुआ है।

पैंसठिया यंत्र का शक्तिवर्धक आध्यात्मिक अनुष्ठान आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में साध्वीश्री उदितयशाजीजी के सान्निध्य में पैंसठिया यंत्र का शक्तिवर्धक आध्यात्मिक अनुष्ठान किया गया। लाल एवं सफेद परिधान में साधक साधिकाओं को क्लीं मंत्र के पिरामिड में बैठाया गया तथा चौबीस तीर्थंकरों की लयबद्ध स्तुति के साथ यंत्र दर्शन द्वारा सकारात्मक प्रकंपनो को उत्पन्न किया गया। साधक साधिकाओं ने भावपूर्ण आराधना की।

साध्वीश्री उदितयशाजी ने पैंसठिया यंत्र की रचना का महत्व बताते हुए कहा कि हम जो भी बोलते है उसकी एक आकृति बनती है। सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों का प्रभाव एवं क्षेत्र आकृति के आधार पर बनता है। लोगस्य भी एक शक्तीशाली मंत्र है। साध्वीश्री संगीतप्रभाजी, भव्ययशाजी, शिक्षाप्रभाजी ने मंत्रों द्वारा साधकों को ध्यान का प्रयोग करवाया। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, महिला मण्डल अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल, तेयुप मंत्री राकेश चोरड़िया, पूर्व सभा अध्यक्ष बहादुर सेठिया सहित अनेक गणमान्य गण उपस्थित थे।

देवी पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अणम्मा देवी युवक सेना कमलानगर द्वारा आयोजित अणम्मा देवी उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में महेंद्र मुणोत ने देवी की विशेष पूजा अर्चना कर अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजको ने मुणोत को सम्मानित किया।

महिला मंडल द्वारा की गई भगवान महावीर की आराधना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दीपावली पर्व के अवसर पर भगवान महावीर की आराधना करने हेतु तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में जप एवं माला अनुष्ठान का आयोजन किया गया। साध्वीश्रीजी ने चारों दिशाओं में लोगस्स का ध्यान करवाया और भगवान महावीर से संबंधित जप के साथ मंगल भावना का भी जप करवाया गया। जय महावीर भगवान गीतिका का सामूहिक संगान किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने बताया कि इस आयोजन में 70 श्रद्धालु उपस्थित थे।

धन के साथ धर्म की आराधना करें : साध्वीश्री संयमलता

मंड्या। शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में पांच दिवसीय दिवाली उत्सव में धनतेरस की महता बताते हुए साध्वीश्री ने कहा कि धनतेरस का दिन भौतिक व आध्यात्मिक दोनों दृष्टि से जुड़ा है। धनतेरस के दिन लोग चांदी खरीदते हैं चांदी चंद्रमा का प्रतीक है। चंद्रमा व्यक्ति को शीतलता देने वाला होता है। मन में तो संतोष रुपी धन का वास होता है जिसके पास संतोष है, वह स्वस्थ है, सुखी है, वही धनवान है। धन के साथ धर्म के आराधना करें क्योंकि धर्म रुपी जल के साथ धन रुपी बोतल अपने आप आ जाएगी। तेले के अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ।

ईरान ने आईफोन के नए मॉडल के आयात पर पाबंदी हटायी

तेहरान/एपी। आईफोन के नए मॉडल के आयात पर लगी पाबंदी ईरानी प्रशासन ने हटा ली है, जिससे ईरान के लोग अब शीघ्र ही इनका उपयोग कर पाएंगे। अमेरिकी मोबाइल कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

आईफोन के नए मॉडल पर 2023 से पाबंदी लगी हुई थी लेकिन अब, ईरान के दूरसंचार मंत्री सतार हाशमी ने कहा कि प्रशासन नए मॉडल के पंजीकरण को अनुमति दे रहा है।

हाशमी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरानी बाजार में आईफोन के नए मॉडल पंजीकृत करने की समस्या 'सुलझ गई' है और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस सिलसिले में संचार मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन किया है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com